Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-19, अंक-17 01-15 सितम्बर, 2024 (पाक्षिक) ₹20

'पश्चिम बंगाल में महिला डॉक्टर के साथ हुई घटना दिल दहलानेवाली'

हमारा एक ही संकल्प– 'राष्ट्र प्रथम'

भाजपा मुख्यालय (नई दिल्ली) में 17 अगस्त, 2024 को भाजपा राष्ट्रीय सदस्यता अभियान–2024 कार्यशाला में दीप प्रज्वलित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह एवं भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री श्री विनोद तावड़े

भाजपा मुख्यालय (नई दिल्ली) में 15 अगस्त, 2024 को 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली में 16 अगस्त, 2024 को पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

गीता कॉलोनी (दिल्ली) में 25 अगस्त, 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा एवं दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ नेतागण

नई दिल्ली में 14 अगस्त, 2024 को अपने सरकारी आवास पर तिरंगा फहराकर 'हर घर तिरंगा' अभियान में भाग लेते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

नई दिल्ली में 15 अगस्त, 2024 को 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने सरकारी आवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 ## हम 'विकसित भारत' का लक्ष्य पूरा करके रहेंगे : नरेन्द्र मोदी

आज वो शुभ घड़ी है, जब हम देश के लिए मर-मिटने वाले, देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले, आजीवन संघर्ष...

18 ## भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया भाजपा केंद्रीय कार्यालय में झंडोत्तोलन

78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश...

19 ## 'सामाजिक न्याय' सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है: द्रौपदी मुर्मु

मैं आप सभी को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। सभी देशवासी 78वें स्वतन्त्रता दिवस का उत्सव मनाने...

21 ## पश्चिम बंगाल में महिला डॉक्टर के साथ हुई घटना दिल दहलानेवाली : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री...

32 ## 'ग्लोबल साउथ के देश एकजुट होकर एक दूसरे की ताकत बनें'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17 अगस्त को वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट 3.0 को...

लेख

वित्तीय समावेशन का एक दशक – पीएम जन धन योजना / **नरेन्द्र मोदी** 30

अन्य

राम माधव एवं जी. किशन रेड्डी बने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव प्रभारी 19
पश्चिम बंगाल में महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार एवं हत्या के विरोध में महिला मोर्चा ने निकाला कैंडल मार्च 21
'बंगाल बंद' सफल 22
विपक्ष शासित राज्यों में महिला सुरक्षा की स्थिति चिंताजनक: एक रिपोर्ट 23
केन्द्रीय गृह मंत्री ने 188 शरणार्थियों को नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान किए 26
कमल पुष्प 26
पिछले एक वर्ष में 7.3 करोड़ इंटरनेट ग्राहक और 7.7 करोड़ ब्रॉडबैंड ग्राहक बढ़े 27
खरीफ फसल की बुआई 1031 लाख हेक्टेयर से ज़्यादा 27
इसरो ने पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओएस-08 लांच किया 28
बिहार के बिहटा में 1413 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से नए सिविल एन्क्लेव के विकास को मिली मंजूरी 28
कैबिनेट ने ठाणे इंटीग्रल रिंग मेट्रो रेल परियोजना को दी मंजूरी 29
प्रधानमंत्री की पोलैंड और यूक्रेन यात्रा 33
पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाला प्रत्येक खिलाड़ी चैंपियन है: नरेन्द्र मोदी 34

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए विष्णु मित्तल द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। संपादक- डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

हम अपने किसान भाई-बहनों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी दिशा में आज दिल्ली में फसलों की 109 नई किस्मों को जारी करने का सुअवसर मिला। जलवायु अनुकूल और ज्यादा उपज देने वाली इन किस्मों से उत्पादन बढ़ने के साथ हमारे अन्नदाताओं की आय भी बढ़ेगी।

(11 अगस्त, 2024)

जगत प्रकाश नड्डा

श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे जी की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन करता हूं। कुशाभाऊ जी का जीवन राष्ट्रोत्थान, जनसेवा व संगठन को समर्पित रहा। उन्होंने अपने संगठन कौशल, दूरदर्शिता और परिश्रम से असंख्य कार्यकर्ताओं को जनकल्याण, राष्ट्रवाद और देशभक्ति की भावना से परिपूर्ण किया। आपके कार्य व राष्ट्र के प्रति अप्रतिम समर्पण सदैव हमारी प्रेरणा हैं।

(15 अगस्त, 2024)

अमित शाह

हमने कहा था कि CAA लाएंगे। अब #CAA देश का कानून है और करोड़ों शरणार्थियों को इसके तहत न्याय मिलना शुरू हो गया है।

(18 अगस्त, 2024)

राजनाथ सिंह

'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' पर मैं उन सभी लोगों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जो देश के विभाजन से पैदा हुई परिस्थितियों में हिंसा और नफ़रत के शिकार हो गये। आज वर्षों बाद भी उसकी पीड़ा देश में महसूस की जाती है। विभाजन की उस विभीषिका को याद करके हम सभी लोग प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक नये, एकजुट और सशक्त भारत के निर्माण के लिए काम कर रहे हैं, जिससे फिर कभी इस देश को ऐसे कठिन दौर से न गुजरना पड़े। (14 अगस्त, 2024)

बी.एल. संतोष

वे दिन...!! हमें न तो कभी भूलना चाहिए और न ही आने वाली पीढ़ियों को भूलने देना चाहिए, क्योंकि इतिहास एवं अतीत हमेशा वर्तमान और भविष्य के लिए सबक होते हैं। #PartitionHorrorsRemembranceDay

(14 अगस्त, 2024)

शिवराज सिंह चौहान

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 'विकसित भारत' के निर्माण में हमारी बहनों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। बहनों के लिए खाद्य, पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसे विषयों पर बेहतर ढंग से काम करना है। हमारा प्रयास है कि आजीविका मिशन की सभी दीदियों को उपलब्ध सेवाओं से जोड़ा जाए और उन्हें प्रभावी व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए।

(22 अगस्त, 2024)

कमल संदेश परिवार की ओर से सुधी पाठकों को

गणेश चतुर्थी (07 सितम्बर)

की हार्दिक शुभकामनाएं!

संपादकीय

राष्ट्र 'विकसित भारत' के स्वप्न को पूरा करने के लिए बढ़ चला

78 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए राष्ट्र संबोधन से करोड़ों हृदय में 'विकसित भारत' का संकल्प और अधिक सुदृढ़ हुआ है। लाल किले की प्राचीर से बोलते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकसित भारत' के स्वप्न को रेखांकित किया और कहा कि वर्तमान काल अवसरों से परिपूर्ण राष्ट्र की 'स्वर्णिम भारत' की आकांक्षाएं पूर्ण करेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सपनों एवं प्रतिबद्धताओं पर विश्वास व्यक्त करते हुए देश ने निरंतर तीसरी बार उन्हें ऐतिहासिक जनादेश दिया है ताकि विकसित भारत का संकल्प पूरा हो सकें। आज जब जन-जन का विश्वास लोकतंत्र पर और भी अधिक गहरा हुआ है, 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांतों के प्रति समर्पण से देश वैश्विक स्तर पर अपने तीव्र विकास से पहचान बना रहा है। कोविड वैश्विक महामारी के परिणामस्वरूप आज जब पूरा विश्व कई चुनौतियों का सामना कर रहा है, भारत विश्व की पांचवीं एवं सबसे तीव्र विकास वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में देखने का करोड़ों लोगों का सामूहिक संकल्प एवं समर्पण के फलस्वरूप आज अनेक क्षेत्रों में देश अकल्पनीय उपलब्धियां प्राप्त कर रहा है।

पिछले दस वर्षों में देश ने हर क्षेत्र में अद्भुत उपलब्धियां प्राप्त कर हर भारतीय का गौरव बढ़ाया है। प्रति व्यक्ति आय दुगुनी हुई है, रोजगार एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में नए प्रतिमानों के साथ हर क्षेत्र में गौरवशाली उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं। विभिन्न स्तरों पर अनेक सुधार किए गए हैं, बैंक एवं वित्तीय संस्थान अत्यधिक सुदृढ़ हुए हैं जिनका लाभ गरीब, आम जन एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को मिल रहा है। राष्ट्र आज 'फिनटेक' क्षेत्र में प्राप्त हुई सफलताओं से सुदृढ़ हुआ है तथा देश के दूरवर्ती एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क निर्माण से ये क्षेत्र देश की विकास की मुख्यधारा में आ गए हैं। पिछले दस वर्षों में व्यापक अवसंरचना निर्माण से सदियों की जंजीरों को तोड़ गरीब, दलित, आदिवासी, शोषित, पीड़ित, पिछड़े, महिला एवं युवाओं को सशक्त कर उनमें नई ऊर्जा का संचार हुआ है। आज जब चार करोड़ पक्के घरों का निर्माण हो चुका है और तीन करोड़ पक्के घर और बनने वाले हैं, गरीबों को शौचालय, बिजली, गैस कनेक्शन, सामाजिक सुरक्षा चक्र, आयुष्मान कार्ड और कई अन्य सुविधाओं से गरिमापूर्ण जीवन मिला है। आज पीड़ित, शोषित एवं वंचित वर्गों के जीवन में व्यापक परिवर्तन आया है। पिछले दशक में लगभग दस करोड़ महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं तथा एक करोड़ महिला 'लखपति दीदी' बन गई हैं। इन स्वयं सहायता समूहों को आवंटित राशि को 10 लाख रुपए से दुगुना बढ़ाकर 20 लाख रुपए करने से अब महिला देश में सामाजिक परिवर्तन का सूत्रधार एवं संवाहक बन रही हैं।

> **पिछले दस वर्षों में व्यापक अवसंरचना निर्माण से सदियों की जंजीरों को तोड़ गरीब, दलित, आदिवासी, शोषित, पीड़ित, पिछड़े, महिला एवं युवाओं को सशक्त कर उनमें नई ऊर्जा का संचार हुआ है**

भारत विकसित भारत के स्वप्नों को पूरा करने की राह में आगे बढ़ रहा है, आत्मनिर्भरता के मंत्र से अनुप्राणित रक्षा एवं अंतरिक्ष के क्षेत्र नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। देश के अन्नदाताओं ने वैश्विक स्तर पर अपनी उपलब्धियों से अनाज उत्पादन में कीर्तिमान स्थापित कर पूरे देश को गौरवान्वित किया है तथा भारतीय कृषि उपज को विश्व के कोने-कोने में पहुंचाया है। भारत को विश्व की कौशल राजधानी बनाने के लक्ष्य से युवाओं में नए उत्साह एवं उमंग का संचार हुआ है, उनके लिए अवसरों के नए द्वार खुले हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध युद्ध को जारी रखने के अपने संकल्प को पुनः दुहराते हुए भ्रष्टाचारियों के लिए डर का वातावरण बनाने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि जनता की संपत्ति लूटने की परंपरा का अंत हो। उन्होंने भ्रष्टाचार का महिमामंडन एवं भ्रष्ट आचरणों की स्वीकार्यता बढ़ाये जाने के विरुद्ध समाज को सावधान करते हुए कहा कि ऐसे कार्य स्वस्थ समाज के निर्माण में बाधक हैं। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ लोगों की नियति के परिवर्तन में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाएगी तथा लोगों का आह्वान किया कि वे अपने सामूहिक दायित्वों को निर्वहन करते हुए देशभक्ति की भावना को बढ़ाने की दिशा में कार्य करें तथा लोकतंत्र में अपना अटूट विश्वास रखते हुए विश्व को अपनी उपलब्धियों से प्रेरित कर 'विकसित भारत' के स्वप्नों को साकार करें। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 78वां स्वतंत्रता दिवस

हम 'विकसित भारत' का लक्ष्य पूरा करके रहेंगे : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त, 2024 को भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिल्ली में लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, ''विकसित भारत 2047, ये सिर्फ भाषण के शब्द नहीं हैं, इसके पीछे कठोर परिश्रम चल रहा है। देश के कोटि-कोटि जनों के सुझाव लिए जा रहे हैं और हमने देशवासियों से सुझाव मांगे और मुझे प्रसन्नता है कि मेरे देश के करोड़ों नागरिकों ने 'विकसित भारत 2047' के लिए अनगिनत सुझाव दिए हैं। हर देशवासी का सपना उसमें प्रतिबिंबित हो रहा है। हर देशवासी का संकल्प उसमें झलकता है। युवा हो, बुजुर्ग हो, गांव के लोग हों, किसान हों, दलित हों, आदिवासी हों, पहाड़ों में रहने वाले लोग हों, जंगल में रहने वाले लोग हों, शहरों में रहने वाले लोग हों, हर किसी ने 2047 में जब देश आजादी का 100 साल मनाएगा, तब तक विकसित भारत के लिए अनमोल सुझाव दिए हैं।'' प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मजबूत सुधारों के बारे में विस्तार से बात करते हुए कहा कि राजग सरकार बड़े सुधारों को लागू करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इन प्रयासों के माध्यम से हमारा लक्ष्य देश को प्रगति के पथ पर अग्रसर करना है। उन्होंने कहा कि अगर हम इस अवसर का लाभ उठाते हैं और अपने सपनों एवं संकल्पों के साथ आगे बढ़ते हैं तो हम हमारी 'स्वर्णिम भारत' की आकांक्षाओं को पूरा करेंगे और 2047 तक 'विकसित भारत' के अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। प्रस्तुत है प्रधानमंत्री श्री मोदी के भाषण के मुख्य अंश:

आज वो शुभ घड़ी है, जब हम देश के लिए मर-मिटने वाले, देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले, आजीवन संघर्ष करने वाले, फांसी के तख्ते पर चढ़ करके भारत मां की जय के नारे लगाने वाले अनगिनत आजादी के दीवानों को नमन करने का यह पर्व है। उनका पुण्य स्मरण करने का पर्व है। आजादी के दीवानों ने आज हमें आजादी के इस पर्व में स्वतंत्रता की सांस लेने का सौभाग्य दिया है। यह देश उनका ऋणी है। ऐसे हर महापुरुष के प्रति हम अपना श्रद्धाभाव व्यक्त करते हैं।

आज जो महानुभाव राष्ट्र रक्षा के लिए और राष्ट्र निर्माण के लिए पूरी लगन से, पूरी प्रतिबद्धता के साथ देश की रक्षा भी कर रहे हैं, देश को नई ऊंचाई पर ले जाने का प्रयास भी कर रहे हैं। चाहे वो हमारा किसान हों, हमारा जवान हो, हमारे नौजवानों का हौसला हो, हमारी माता-बहनों का योगदान हों, दलित हो, पीड़ित हो, शोषित हो, वंचित हो, अब हम लोगों के बीच भी स्वतंत्रता के प्रति उसकी निष्ठा, लोकतंत्र के प्रति उसकी श्रद्धा यह पूरे विश्व के लिए एक प्रेरक घटना है। मैं आज ऐसे सभी को आदरपूर्वक नमन करता हूं।

इस वर्ष और पिछले कुछ वर्षों से प्राकृतिक आपदा के कारण हम सबकी चिंता बढ़ती चली जा रही है। प्राकृतिक आपदा में अनेक लोगों ने अपने परिवारजन खोये हैं, सम्पत्ति खोई है, राष्ट्र ने भी बारम्बार नुकसान भोगा है। मैं आज उन सबके प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं और मैं उन्हें विश्वास दिलाता हूं, यह देश इस संकट की घड़ी में उन सबके साथ खड़ा है।

गुलामी में हर कालखंड संघर्ष का रहा

हम जरा आजादी के पहले के वो दिन याद करें, सैकड़ों साल की गुलामी में हर कालखंड संघर्ष का रहा। युवा हो, बुजुर्ग हो, किसान हो, महिला हो, आदिवासी हो, वे गुलामी के खिलाफ जंग लड़ते रहे, अविरत जंग लड़ते रहे। इतिहास गवाह है कि 1857 के स्वतंत्रता संग्राम जिसको हम याद करते हैं, उसके पूर्व भी हमारे देश के कई आदिवासी क्षेत्र थे, जहां आजादी की जंग लड़ी जाती थी। गुलामी का इतना लम्बा कालखंड, जुल्मी शासक, अपरंपार यातनाएं, सामान्य से सामान्य मानवीयों का विश्वास तोड़ने की हर तरकीबें, उसके बावजूद भी, उस समय की जनसंख्या के हिसाब से करीब 40 करोड़ देशवासी आजादी के पूर्व 40 करोड़ देशवासियों ने वो जज्बा दिखाया, वो सामर्थ्य दिखाया, एक सपना ले करके चले, एक संकल्प ले करके चलते रहे, जूझते रहे; एक ही स्वर था वंदे मातरम्, एक ही सपना था भारत की आजादी का।

और हमें गर्व है कि हमारी रगों में उन्हीं का खून है। वो हमारे पूर्वज थे, सिर्फ 40 करोड़। 40 करोड़ लोगों ने दुनिया की महा सत्ता को उखाड़ करके फेंक दिया था, गुलामी की जंजीरों को तोड़ दिया था। अगर हमारे पूर्वज, जिनका खून हमारी रगों में है, आज हम तो 140 करोड़ हैं। अगर 40 करोड़ गुलामी की बेड़ियों को तोड़ सकते हैं, अगर 40 करोड़ आजादी के सपने को पूर्ण कर सकते हैं, आजादी ले करके रह सकते हैं तो 140 करोड़ देश के मेरे नागरिक, 140 करोड़ मेरे परिवारजन अगर संकल्प ले करके चल पड़ते हैं, एक दिशा निर्धारित करके चल पड़ते हैं, कदम से कदम मिलाकर, कंधे से कंधा मिलाकर अगर चल पड़ते हैं, तो चुनौतियां कितनी भी क्यों न हों, अभाव की मात्रा कितनी ही तीव्र क्यों न हो, संसाधनों के लिए जूझने की नौबत हो तो भी, हर चुनौती को पार करते हुए हम समृद्ध भारत बना सकते हैं। हम 2047 'विकसित भारत' का लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।

- **आजादी के दीवानों ने आज हमें आजादी के इस पर्व में स्वतंत्रता की सांस लेने का सौभाग्य दिया है। यह देश उनका ऋणी है**
- **प्राकृतिक आपदा में अनेक लोगों ने अपने परिवारजन खोये हैं, सम्पत्ति खोई है, राष्ट्र ने भी बारम्बार नुकसान भोगा है। मैं आज उन सबके प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं**
- **हम जरा आजादी के पहले के वो दिन याद करें, सैकड़ों साल की गुलामी में हर कालखंड संघर्ष का रहा। युवा हो, बुजुर्ग हो, किसान हो, महिला हो, आदिवासी हो, वे गुलामी के खिलाफ जंग लड़ते रहे, अविरत जंग लड़ते रहे**
- **विकसित भारत 2047, ये सिर्फ भाषण के शब्द नहीं हैं, इसके पीछे कठोर परिश्रम चल रहा है**
- **अगर 40 करोड़ देशवासी अपने पुरुषार्थ से, अपने समर्पण से, अपने त्याग से, अपने बलिदान से आजादी दे सकते हैं, आजाद भारत बना सकते हैं तो 140 करोड़ देशवासी उसी भाव से समृद्ध भारत भी बना सकते हैं**

अगर 40 करोड़ देशवासी अपने पुरुषार्थ से, अपने समर्पण से, अपने त्याग से, अपने बलिदान से आजादी दे सकते हैं, आजाद भारत बना सकते हैं तो 140 करोड़ देशवासी उसी भाव से समृद्ध भारत भी बना सकते हैं। एक समय था जब लोग देश के लिए मरने के लिए प्रतिबद्ध थे और आजादी मिली। आज ये समय है देश के लिए जीने की प्रतिबद्धता का। अगर देश के लिए मरने की प्रतिबद्धता आजादी दिला सकती है तो देश के लिए जीने की प्रतिबद्धता 'समृद्ध भारत' भी बना सकती है।

विकसित भारत 2047, ये सिर्फ भाषण के शब्द नहीं

विकसित भारत 2047, ये सिर्फ भाषण के शब्द नहीं हैं, इसके पीछे कठोर परिश्रम चल रहा है। देश के कोटि-कोटि जनों के सुझाव लिए जा रहे हैं और हमने देशवासियों से सुझाव मांगे। और मुझे प्रसन्नता है कि मेरे देश के करोड़ों नागरिकों ने विकसित भारत 2047 के लिए अनगिनत सुझाव दिए हैं। हर देशवासी का सपना उसमें प्रतिबिंबित हो रहा है। हर देशवासी का संकल्प उसमें झलकता है। युवा हो, बुजुर्ग हो, गांव के लोग हों, किसान हों, दलित हों, आदिवासी हों, पहाड़ों में रहने वाले लोग हों, जंगल में रहने वाले लोग हों, शहरों में रहने वाले लोग हों, हर किसी

- **ढाई करोड़ घरों में बिजली पहुंच जाती है। तब सामान्य मानवीय का भरोसा बढ जाता है**
- **जल जीवन मिशन के तहत इतने कम समय में नए 12 करोड़ परिवारों को जल जीवन मिशन के तहत नल से जल पहुंच रहा है। आज 15 करोड़ परिवार इसके लाभार्थी बन चुके हैं**
- **कुछ लोगों ने कहा कि दुनिया का स्किल कैपिटल बनाने का सुझाव हमारे सामने रखा। 2047 विकसित भारत के लिए कुछ लोगों ने भारत को मैन्युफैक्चरिंग का ग्लोबल हब बनाने का सुझाव दिया**
- **कई लोगों ने सुझाव दिया कि हमारे किसान जो मोटा अनाज पैदा करते हैं, जिसको हम श्रीअन्न कहते हैं, उस सुपर फूड को दुनिया के हर डाइनिंग टेबल पर पहुंचाना है**

ने 2047 में जब देश आजादी का 100 साल मनाएगा, तब तक 'विकसित भारत' के लिए अनमोल सुझाव दिए हैं।

मैं जब इन सुझावों को देखता था, मेरा मन प्रसन्न हो रहा था, उन्होंने क्या लिखा, कुछ लोगों ने कहा कि दुनिया का स्किल कैपिटल बनाने का सुझाव हमारे सामने रखा। 2047 विकसित भारत के लिए कुछ लोगों ने भारत को मैन्युफैक्चरिंग का ग्लोबल हब बनाने का सुझाव दिया। कुछ लोगों ने भारत की हमारी यूनिवर्सिटीज ग्लोबल बने इसके लिए सुझाव दिया। कुछ लोगों ने ये भी कहा कि क्या आजादी के इतने सालों के बाद हमारा मीडिया ग्लोबल नहीं होना चाहिए। कुछ लोगों ने ये भी कहा कि हमारा स्किल्ड युवा विश्व की पहली पसंद बनना चाहिए। कुछ लोगों ने सुझाव दिया भारत को जल्द से जल्द जीवन के हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना चाहिए। कई लोगों ने सुझाव दिया कि हमारे किसान जो मोटा अनाज पैदा करते हैं, जिसको हम 'श्रीअन्न' कहते हैं, उस सुपर फूड को दुनिया के हर डाइनिंग टेबल पर पहुंचाना है। हमें विश्व के पोषण को भी बल देना है और भारत के छोटे किसानों को भी मजबूती देनी है।

कई लोगों ने सुझाव दिया कि देश में स्थानीय स्वराज की संस्थाओं से लेकर के अनेक इकाइयां हैं, उन सबमें गर्वनेंस के रिफॉर्म्स की बहुत जरुरत है। कई लोगों ने लिखा कि न्याय के अंदर जो विलंब हो रहा है, उसके प्रति चिंता जाहिर की और ये भी कहा कि हमारे देश में न्याय व्यवस्था में रिफॉर्म्स की बहुत बड़ी जरुरत है। कई लोगों ने लिखा कि कई ग्रीन फील्ड सिटिज बनाने की अब समय की मांग है। किसी ने बढ़ती हुई प्राकृतिक आपदाओं के बीच शासन-प्रशासन में कैपेसिटी बिल्डिंग के लिए एक अभियान चलाने का सुझाव दिया। बहुत सारे लोगों ने ये सपना भी देखा है कि अंतरिक्ष में भारत का स्पेस स्टेशन जल्द से जल्द बनना चाहिए। किसी ने कहा भारत की जो पारंपरिक ट्रेडिशनल मेडिसिन है, हमारी औषधि है, दुनिया जब आज हॉलिस्टिक हेल्थकेयर की तरफ जा रही है, तब हमें भारत की पारंपरिक औषधियां और वेलनेस हब के रूप में भारत को विकसित करना चाहिए। कोई कहता है कि अब देर नहीं होनी चाहिए, भारत अब जल्द से जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनना चाहिए।

मैं इसलिए पढ़ रहा था कि ये मेरे देशवासियों ने ये सुझाव दिए हैं। मेरे देश के सामान्य नागरिक ने ये सुझाव हमें दिए हैं। मैं समझता हूं कि जब देशवासियों की इतनी विशाल सोच हो, देशवासियों के इतने बड़े सपने हो, देशवासियों की इन बातों में जब संकल्प झलकते हों, तब हमारे भीतर एक नया संकल्प दृढ़ बन जाता है। हमारे मन में आत्मविश्वास नई ऊंचाई पर पहुंच जाता है और देशवासियों का ये भरोसा सिर्फ कोई बौद्धिक बहस नहीं है, ये भरोसा अनुभव से निकला हुआ है। ये विश्वास लंबे कालखंड के परिश्रम की पैदावार है और इसलिए देश का सामान्य मानवीय याद करता है जब लाल किले से कहा जाता है कि हिन्दुस्तान के 18 हजार गांवों में समय सीमा में बिजली पहुंचाएंगे और वो काम हो जाता है, तब भरोसा मजबूत हो जाता है। जब ये तय होता है कि आजादी के इतने सालों के बाद भी ढाई करोड़ परिवार ऐसे हैं, जहां बिजली नहीं है, वो अंधेरे में जिंदगी गुजारते हैं, ढाई करोड़ घरों में बिजली पहुंच जाती है। तब सामान्य मानवीय का भरोसा बढ़ जाता है।

नए 12 करोड़ परिवारों को जल जीवन मिशन के तहत नल से जल पहुंचा

जब स्वच्छ भारत की बात कही जाए तभी देश के अग्रिम घरों के पंक्ति में बैठे हुए लोग हों, गांव के लोग हों, गरीब बस्ती में रहने वाले लोग हों, छोटे-छोटे बच्चे हों, हर परिवार के अंदर स्वच्छता का वातावरण बन जाए, स्वच्छता की चर्चा हो, स्वच्छता के संबंध

में एक दूसरे को रोक टोकने का निरंतर प्रयास चलता रहे, मैं समझता हूं कि ये भारत के अंदर आई हुई नई चेतना का प्रतिबिंब है। जब देश के सामने लालकिले से कहा जाए कि आज हमारे परिवारों में तीन करोड़ परिवार ऐसे हैं जिनके घर में नल से जल मिलता है। आवश्यक है हमारे इन परिवारों को पीने का शुद्ध पानी पहुंचे। जल जीवन मिशन के तहत इतने कम समय में नए 12 करोड़ परिवारों को जल जीवन मिशन के तहत नल से जल पहुंच रहा है। आज 15 करोड़ परिवार इसके लाभार्थी बन चुके हैं।

हमारे कौन लोग वंचित थे इन व्यवस्थाओं से? कौन पीछे रह गए थे? समाज के अग्रिम पंक्ति के लोग इसके लिए अभाव में नहीं जीते थे। मेरे दलित, मेरे पीड़ित, मेरे शोषित, मेरे आदिवासी भाई-बहन, मेरे गरीब भाई-बहन, मेरे झुग्गी-झोपड़ी में जिंदगी गुजारने वाले लोग, वही तो इन चीजों के अभाव में जी रहे थे। हमने अनेक ऐसे प्राथमिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए जो प्रयास किया और उसका परिणाम हमारे इन सारे समाज के बंधुओं को मिला है।

वोकल फॉर लोकल

हमने वोकल फॉर लोकल का मंत्र दिया। आज मुझे खुशी है कि वोकल फॉर लोकल ने अर्थतंत्र के लिए एक नया मंत्र बन गया है। हर डिस्ट्रिक्ट अपनी पैदावर के लिए गर्व करने लगा है। 'एक जिला एक उत्पाद' का माहौल बना है। अब एक जिला एक उत्पाद को एक जिला का एक उत्पाद का निर्यात कैसे हो उस दिशा में हर जिले सोचने लगे हैं। रिन्यूएबल एनर्जी का संकल्प लिया था। जी-20 समूह के देशों ने जितना किया है उससे ज्यादा भारत ने किया है और भारत ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए ग्लोबल वार्मिंग की चिंताओं से मुक्ति पाने के लिए हमने काम किया है। देश गर्व करता है आज जब फिनटेक की सफलताओं को लेकर पूरा विश्व भारत से कुछ सीखना समझना चाहता है। तब हमारा गर्व और बढ़ जाता है।

हम कैसे भूल सकते हैं कोरोना के वो संकट काल। विश्व में सबसे तेज गति से करोड़ों लोगों को वैक्सीनेशन का काम हमारे इसी देश में हुआ। जब देश की सेना सर्जिकल स्ट्राइक करती है, जब देश की सेना एयर स्ट्राइक करती है तो उस देश के नौजवानों का सीना ऊंचा हो जाता है, तन जाता है, गर्व से भर जाता है और यही बातें हैं जो आज 140 करोड़ देशवासियों का मन गर्व से भरा हुआ है, आत्मविश्वास से भरा हुआ है।

हम ये न भूलें कि देश उस परिस्थितियों से दशकों तक भी आजादी के बाद समय बिताया है। जब होती है, चलती है, अरे यार ये तो चलेगा, अरे हमें क्या मेहनत करने की जरूरत है, अरे मामला है अगली पीढ़ी देखेगी, हमको मौका मिला है यार मौज कर लो। आगे वाला आगे का जाने हमें क्या करना है, हम अपना समय निकाल दें। अरे नया करने जाओगे कोई बवाल उठ जाए। पता नहीं क्यों देश में एक यथास्थिति का माहौल बन गया था। जो है उसी से गुजारा कर लो इसी का माहौल बन गया था और लोग तो कहते अरे भई छोड़ो अब कुछ होने वाला नहीं है। ऐसा ही मन बन गया था।

हमने बड़े सुधारों को लागू किया

हमें इस मानसिकता को तोड़ना था, हमें विश्वास से भरना था और हमने उस दिशा में प्रयास किया। कई लोग तो कहते थे अरे भई अगली पीढ़ी के लिए काम हम अभी से क्यों करें, हम तो आज का देखें, लेकिन देश का सामान्य नागरिक ये नहीं चाहता था, वो बदलाव के इंतजार में था, वो बदलाव चाहता था, उसकी ललक थी। लेकिन उसके सपने को किसी ने तवज्जों नहीं दी, उसकी आशा, आकांक्षाओं, अपेक्षाओं को तवज्जो नहीं दी गई और उसके कारण वो मुसीबतों को झेलते हुए गुजारा करता रहा।

- **आज मुझे खुशी है कि वोकल फॉर लोकल ने अर्थतंत्र के लिए एक नया मंत्र बन गया है**
- **अब एक जिला एक उत्पाद को एक जिला का एक उत्पाद का निर्यात कैसे हो उस दिशा में हर जिले सोचने लगे हैं। रिन्यूएबल एनर्जी का संकल्प लिया था। जी-20 समूह के देशों ने जितना किया है उससे ज्यादा भारत ने किया है**
- **विश्व में सबसे तेज गति से करोड़ों लोगों को वैक्सीनेशन का काम हमारे इसी देश में हुआ**
- **जब देश की सेना सर्जिकल स्ट्राइक करती है, जब देश की सेना एयर स्ट्राइक करती है तो उस देश के नौजवानों का सीना ऊंचा हो जाता है**
- **जब बैंक मजबूत होती है ना तब फॉर्मल इकॉनमी की ताकत भी बढ़ती है**

वो रिफॉर्म्स का इंतजार करता रहा। हमें जिम्मेदारी दी गई और हमने बड़े रिफॉर्म्स जमीन पर उतारे। गरीब हो, मिडिल क्लास हो, हमारे वंचित लोग हों, हमारी बढ़ती जाती शहरी आबादी हो, हमारे नौजवानों के सपने हों, संकल्प हों, आकांक्षाएं हों, उनके जीवन में बदलाव लाने के लिए रिफॉर्म्स का मार्ग हमने चुना।

हम जो कुछ भी कर रहे हैं, वो राजनीति का भाग और गुणा करके नहीं सोचते हैं, हमारा एक ही संकल्प होता है— Nation First, Nation First, राष्ट्रहित सुप्रीम। ये मेरा भारत महान बने इसी संकल्प को लेकर के हम कदम उठाते हैं। जब रिफॉर्म्स की बात आती है, एक लंबा परिवेश है, अगर मैं उसकी चर्चा में चला जाऊंगा तो शायद घंटों निकल जाएंगे, लेकिन मैं एक छोटा

सा उदाहरण देना चाहता हूं। बैंकिंग क्षेत्र में जो रिफॉर्म हुआ। आप सोचिए, बैंकिंग क्षेत्र का क्या हाल था, न विकास होता था, न विस्तार होता था, न विश्वास बढ़ता था। इतना ही नहीं जिस प्रकार के कारनामें चले उसके कारण हमारे बैंक संकटों से गुजर रहे थे। हमने बैंकिंग सेक्टर को मजबूत बनाने के लिए अनेकविद रिफॉर्म्स किए और आज उसके कारण हमारे बैंक विश्व में जो गिने चुने मजबूत बैंक हैं उसमें भारत के बैंकों ने अपना स्थान बनाया है।

- **मुझे तो खुशी है कि मेरे पशुपालक भी, मेरे मछली पालन करने वाले भाई-बहन भी आज बैंकों से लाभ ले रहे हैं**
- **मुझे खुशी है मेरे रेहड़ी-पटरी वाले लाखों भाई-बहन आज बैंक के साथ जुड़कर के अपनी नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहे हैं और विकास की दिशा में वो भागीदार बन रहे हैं**
- **हमारे MSMEs, हमारे लघु उद्योग के लिए तो बैंक एक सबसे बड़ी सहायक होती है। उसको रोजमर्रा पैसों की जरूरत होती है, अपने नित्य मर्जी प्रगति के लिए और वो काम हमारी मजबूत बैंकों के कारण आज संभव हुआ है**
- **आज विश्व में युवाओं के लिए संभावनाएं के द्वार खुले हैं। रोजगार के अनगिनत नये अवसर आजादी के इतने सालों के बाद भी नहीं आए थे, वो आज उनके दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं**
- **मैं कहना चाहूंगा भारत के लिए स्वर्णिम युग है**

मजबूत बैंकिंग व्यवस्था से मिला लाभ

जब बैंक मजबूत होती है ना तब फॉर्मल इकॉनमी की ताकत भी बढ़ती है। जब बैंक व्यवस्था बन जाती है, जब सामान्य गरीब खासकर के मध्यम वर्गीय परिवार की जो जरूरत होती हैं, उसको पूरा करने की सबसे बड़ी ताकत बैंकिंग सेक्टर में होती है। अगर उसको होम लोन चाहिए, उसको व्हीकल का लोन चाहिए, मेरे किसान को ट्रैक्टर के लिए लोन चाहिए, मेरे नौजवानों को स्टार्ट अप्स के लिए लोन चाहिए, मेरे नौजवानों को कभी पढ़ने के लिए शिक्षा के लिए लोन चाहिए, किसी को विदेश जाने के लिए लोन चाहिए। ये सारी बातें उससे संभव होती है।

मुझे तो खुशी है कि मेरे पशुपालक भी, मेरे मछली पालन करने वाले भाई-बहन भी आज बैंकों से लाभ ले रहे हैं। मुझे खुशी है मेरे रेहड़ी-पटरी वाले लाखों भाई-बहन आज बैंक के साथ जुड़कर के अपनी नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहे हैं और विकास की दिशा में वो भागीदार बन रहे हैं। हमारे MSMEs, हमारे लघु उद्योग के लिए तो बैंक एक सबसे बड़ी सहायक होती है। उसको रोजमर्रा पैसों की जरूरत होती है, अपने नित्य मर्जी प्रगति के लिए और वो काम हमारी मजबूत बैंकों के कारण आज संभव हुआ है।

देश में नई व्यवस्थाएं बन रही हैं। देश को आगे ले जाने के लिए अनेक वित्त नीतियों को, अनेक वित्त पॉलिसीस को निरंतर बनाया जाए और नए सिस्टम पर देश का भरोसा भी बढ़ता रहता है, निरंतर बढ़ता रहता है। आज जो 20-25 साल का नौजवान है, जो 10 साल पहले जब 12-15 साल की उम्र का नौजवान था, उसने अपनी आंखों के सामने यह बदलाव देखा है। 10 साल के भीतर-भीतर उसके सपनों को आकार मिला है, धार मिली है और उसके आत्मविश्वास में एक नई चेतना जगी है और वही देश के एक नये सामर्थ्य के रूप में उभर रहा है। आज विश्वभर में भारत की साख बढ़ी है, भारत के प्रति देखने का नजरिया बदला है। आज विश्व में युवाओं के लिए संभावनाएं के द्वार खुले हैं। रोजगार के अनगिनत नये अवसर आजादी के इतने सालों के बाद भी नहीं आए थे, वो आज उनके दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं। संभावनाएं बढ़ती गई हैं। नये मौके बन रहे हैं।

भारत का स्वर्णिम युग

मेरे देश के युवाओं को अब धीरे-धीरे चलने का इरादा नहीं है। मेरे देश का नौजवान incremental प्रगति में विश्वास नहीं करता। मेरा देश का नौजवान छलांग मारने के मूड में है। वो छलांग मार करके नई सिद्धियों को प्राप्त करने के मूड में है। मैं कहना चाहूंगा भारत के लिए स्वर्णिम युग है। वैश्विक परिस्थितियों की तुलना में भी देखें यह Golden Era है, यह हमारा स्वर्णिम कालखंड है। यह अवसर हमें जाने नहीं देना, यह मौका हमें जाने नहीं देना चाहिए और इसी मौके को पकड़ करके अपने सपने और संकल्पों को ले करके चल पड़ेंगे, तो हम देश की स्वर्णिम भारत की अपेक्षा और विकसित भारत का 2047 का लक्ष्य पूरा करके रहेंगे। हम सदियों की बेड़ियों को तोड़ करके निकले हैं।

हर सेक्टर में आधुनिकता की जरूरत है, नयेपन की जरूरत है। टेक्नोलॉजी को जोड़ने की जरूरत है और हर सेक्टर में हमारी नई नीतियों के कारण इन सारे क्षेत्रों में एक नया सपोर्ट मिल रहा है, नयी ताकत मिल रही है। हमारे सारे अवरोध हटे, हमारी मंदी से दूर हो, हम पूरे सामर्थ्य के साथ चल पड़े, खिल उठे, सपनों को पा करके रहे, सिद्धि को हम अपने निकट देखें, हम आत्मसात् करें उस दिशा में हमने चलना हैं। अब आप देखिए, कितना बड़ा बदलाव आ रहा है। मैं एकदम ज़मीनी स्तर की बात कर रहा हूं, वीमेन सेल्फ हेल्प ग्रुप; आज दस साल में हमारी 10 करोड़ बहनें वीमेन सेल्फ हेल्प ग्रुप में जुड़ी हैं, 10 करोड़ नई बहनें। हमें गर्व हो

रहा है कि हमारे सामान्य परिवार की गांव की 10 करोड़ महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं और जब महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनती हैं तब परिवार की निर्णय प्रक्रिया की हिस्सेदार बनती हैं, एक बहुत बड़े सामाजिक परिवर्तन की गारंटी ले करके आती हैं।

इंफ्रास्ट्रक्चर और ईज ऑफ़ लीविंग साथ-साथ

आज देश में नए अवसर बनें, तब मैं कह सकता हूं दो चीजें और हों, जिसने विकास को एक गति दी है, विकास को एक नई छलांग दी है और ये है— पहला है आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण। हमने इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाने की दिशा में बहुत बड़े कदम उठाए हैं और दूसरी तरफ सामान्य मानवी के जीवन में जो बाधाएं हैं, ईज ऑफ़ लीविंग का हमारा जो सपना है, उस पर भी हमने उतना ही बल दिया है। पिछले एक दशक में अभूतपूर्व इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हुआ है। रेल हो, रोड हो, एयरपोर्ट हो, पोर्ट हो, ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी हो, गांव-गांव नए स्कूल बनाने की बात हो, जंगलों में स्कूल बनाने की बात हो, दूर-सुदूर इलाकों में अस्पताल बनाने की बात हो, आरोग्य मंदिर बनाने की बात हो, मेडिकल कॉलेजों का काम हो, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का निर्माण चलता हो, 60 हजार से ज्यादा अमृत सरोवर बने हों, दो लाख पंचायतों तक ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क पहुंचा हो, नहरों का एक बहुत बड़ा जाल बिछाया जा रहा हो, चार करोड़ पक्के घर बनना, गरीबों को एक नया आश्रय मिलना, तीन करोड़ नए घर बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ने की हमारी कोशिश हो।

हमारा पूर्वी भारत-नॉर्थ ईस्ट उसका इलाका आज इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए जाना जाने लगा है और हमने ये जो कायाकल्प किया है, उसका सबसे बड़ा लाभ समाज के उन वर्गों तक हम पहुंचे हैं, जब ग्रामीण सड़कें वहां बनी हैं, जिनकी तरफ कोई देखता नहीं था, जिन इलाकों को नहीं देखता था, जिन गांवों को नहीं देखता था। दलित हो, पीड़ित हो, शोषित हो, वंचित हो, पिछड़े हों, आदिवासी हों, जंगल में रहने वाले हों, दूर-सदूर पहाड़ों में रहने वाले हों, सीमावर्ती स्थान पर रहने वाले हों, हमने उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति की है।

सर्वांगीण विकास का प्रयास

हमारे मछुआरे भाई-बहनों की आवश्यकताओं को पूरा करना, हमारे पशुपालकों के जीवन को बदलना, एक प्रकार से सर्वांगीण विकास का प्रयास हमारी नीतियों में रहा, हमारी नियत में रहा है, हमारे रिफॉर्म्स में रहा है, हमारे कार्यक्रमों में रहा है, हमारी कार्यशैली में रहा है। हमारे मछुवारों भाई बहनों की आवश्यकताओं को पूरा करना, हमारे पशुपालकों के जीवन को बदलना, एक प्रकार से सर्वांगीण विकास का प्रयास, हमारी नीतियों में रहा, हमारी नियत में रहा है, हमारे रिफॉर्म में रहा है, हमारे कार्यक्रमों में रहा है, हमारी कार्यशैली में रहा है और उन सबसे, सबसे बड़ा लाभ मेरे युवाओं को मिलता है। उनको नए-नए अवसर मिलते हैं, नए-नए क्षेत्र में कदम रखने का उसके लिए संभावनाएं बन जाती हैं और वही तो सबसे ज्यादा रोजगार दे रहा है और सबसे ज्यादा रोजगार प्राप्त करने का अवसर इन्हीं समय में उनको मिला है।

हमारा जो मध्यम वर्गीय परिवार है, मध्यम वर्गीय परिवार को जीवन की गुणवत्ता, वो स्वाभाविक उसकी अपेक्षा रहती है। वो देश के लिए बहुत देता है, तो देश का भी दायित्व है कि उसकी जो Quality of Life में उसकी जो अपेक्षाएं हैं, सरकार की कठिनाइयों से मुक्ति की उसकी जो अपेक्षाएं हैं उसको पूर्ण करने के लिए हम निरंतर प्रयास करते हैं और मैंने तो सपना देखा है कि 2047 जब 'विकसित भारत' का सपना होगा, तो उसकी एक इकाई ये भी होगी कि सामान्य मानवीय के जीवन में सरकार की दखलें कम हों। जहां सरकार की जरूरत हो वहां अभाव न हो।

- **60 हजार से ज्यादा अमृत सरोवर बने, दो लाख पंचायतों तक ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क पहुंचा, चार करोड़ पक्के घर बने**
- **हमारा पूर्वी भारत-नॉर्थ ईस्ट उसका इलाका आज इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए जाना जाने लगा है**
- **हमारे मछुआरे भाई-बहनों की आवश्यकताओं को पूरा करना, हमारे पशुपालकों के जीवन को बदलना, एक प्रकार से सर्वांगीण विकास का प्रयास हमारी नीतियों में रहा**
- **हम छोटी-छोटी जरूरतों पर भी ध्यान देते हैं। हम छोटी-छोटी आवश्यकताओं पर ध्यान देते हैं और उसको लेकर के हम चलते हैं**
- **हमने देशवासियों के लिए डेढ़ हजार से ज्यादा कानूनों को खत्म कर दिया ताकि कानूनों के जंजाल कें अंदर देशवासियों को फंसना न पड़े**

छोटी-छोटी जरूरतों पर भी ध्यान

हम छोटी-छोटी जरूरतों पर भी ध्यान देते हैं। हम छोटी-छोटी आवश्यकताओं पर ध्यान देते हैं और उसको लेकर के हम चलते हैं। चाहे हमारे गरीब के घर का चूल्हा जलता रहे, गरीब की मां कभी आंसू पी करके सोना न पड़े और इसके लिए मुफ्त इलाज की योजना हमारी चल रही है। बिजली, पानी, गैस, अब सैच्यूरेशन

के मोड पर हैं और जब हम सैच्यूरेशन की बात करते हैं तो शत-प्रतिशत होता है। जब सैच्यूरेशन होता है, तो उसको जातिवाद का रंग नहीं लगता है। जब सैच्यूरेशन होता है, तो उसमें वामपंथिकता का रंग नहीं लगता है। जब सैच्यूरेशन का मंत्र होता है, तब सच्चे अर्थ में 'सबका साथ, सबका विकास' का मंत्र साकार होता है।

लोगों के जीवन में सरकार की दखल कम हो, उस दिशा में हमने, हजारों अनुपालनों के लिए सरकार सामान्य मानवीय पर बोझ डालती थी, हमने देशवासियों के लिए डेढ़ हजार से ज्यादा कानूनों को खत्म कर दिया ताकि कानूनों के जंजाल के अंदर देशवासियों को फंसना न पड़े। हमने छोटी-छोटी गलतियों के

- **नागरिकों को Dignity of Citizen, नागरिकों के जीवन में सम्मान मिलें, डिलिवरी के संबंध में कभी किसी को ये कहने की नौबत न आए कि ये तो मेरा हक था कि मुझे मिला नहीं, उसको खोजना न पड़े, सरकार के गवर्नेंस में डिलेवरी सिस्टम को और मजबूती चाहिए**
- **आज देश में करीब-करीब तीन लाख संस्थाएं काम कर रही हैं। चाहे पंचायत हो, नगर पंचायत हो, नगर पालिका हो, महानगर पालिका हो, UT हो, राज्य हो, जिला हो, केंद्र हो, छोटी-मोटी तीन लाख करीब-करीब इकाइयां हैं**
- **एक पंचायत हो, एक राज्य सरकार हो, कोई विभाग हो, सिर्फ एक साल में दो रिफार्म और उसको जमीन पर उतारें। आप देखिए हम देखते ही देखते एक साल में करीब-करीब 25-30 लाख रिफार्म कर सकते हैं**
- **आज देश आकांक्षाओं से भरा हुआ है। हमारे देश का नौजवान नई सिद्धियों को चूमना चाहता है**

कारण ऐसे कानून बने थे, उनको जेल में अंदर ढकेल दिया जाए। हमने उन छोटे-छोटे कारणों से जेल जाने की जो परंपराएं थीं, उन सारे कानूनों को नष्ट कर दिया और उसको कानूनों को जेल भेजने के प्रावधान को व्यवस्था से बाहर कर दिया है। आज जो आजादी के विरासत के गर्व की जो हम बात करते हैं, सदियों से हमारे पास जो क्रिमिनल लॉ थे, आज हमने उसको नए क्रिमिनल लॉ जिसको हमने न्याय संहिता के रूप में और जिसके मूल में दंड नहीं तो नागरिक को न्याय इस भाव को हमने प्रबल बनाया है।

ईज ऑफ़ लीविंग बनाने में देशव्यापी मिशन में हम काम कर रहे हैं। हर लेवल पर मैं सरकार के प्रति इन चीजों का आह्वान करता हूं। मैं जन-प्रतिनिधि वो किसी भी दल के क्यों न हो, किसी भी राज्य के क्यों न हो सबसे आग्रह करता हूं कि हमने एक मिशन मोड में ईज ऑफ़ लीविंग के लिए कदम उठाने चाहिए। मैं हमारे युवाओं को, प्रोफेशनल्स को, सबको मैं कहना चाहता हूं, आप अपने स्थान पर जहां पर आपको छोटी-छोटी दिक्कतें होती हैं आप उसको solutions को लेकर के सरकार को चिट्ठी लिखते रहिए। सरकार को बताइए कि बिना कारण की कठिनाई आए, उसको दूर करने से कोई नुकसान नहीं है, मैं पक्का मानता हूं आज सरकारें संवेदनशील हैं। हर सरकार स्थानीय स्वराज की सरकार होगी या राज्य सरकार होगी या केंद्र सरकार होगी, उसको तवज्जो देगी।

गवर्नेंस में रिफॉर्म्स

गवर्नेंस में रिफॉर्म्स, ये हमें विकसित भारत @ 2047 के सपने के लिए उसको जोर लगाकर के आगे बढ़ाना होगा ताकि सामान्य मानवीय के जीवन में अवसर ही अवसर पैदा हों, रुकावटें खत्म ही खत्म होती चली जाएं। नागरिकों को Dignity of Citizen, नागरिकों के जीवन में सम्मान मिलें, डिलिवरी के संबंध में कभी किसी को ये कहने की नौबत न आए कि ये तो मेरा हक था कि मुझे मिला नहीं, उसको खोजना न पड़े, सरकार के गवर्नेंस में डिलेवरी सिस्टम को और मजबूती चाहिए। आप देखिए देश में जब हम रिफॉर्म की बात करते हैं। आज देश में करीब-करीब तीन लाख संस्थाएं काम कर रही हैं। चाहे पंचायत हो, नगर पंचायत हो, नगर पालिका हो, महानगर पालिका हो, UT हो, राज्य हो, जिला हो, केंद्र हो, छोटी-मोटी तीन लाख करीब-करीब इकाइयां हैं।

अगर ये हमारे तीन लाख इकाइयों का मैं आज आह्वान करता हूं कि अगर आप साल में अपने स्तर पर जिन चीजों की जरूरत है सामान्य मानवीय के लिए दो रिफार्म करें, ज्यादा नहीं कह रहा हूं मेरे साथियों। एक पंचायत हो, एक राज्य सरकार हो, कोई विभाग हो, सिर्फ एक साल में दो रिफार्म और उसको जमीन पर उतारें। आप देखिए हम देखते ही देखते एक साल में करीब-करीब 25-30 लाख रिफार्म कर सकते हैं। जब 25-30 लाख रिफार्म हो जाएं तब सामान्य मानवीय का विश्वास कितना बढ़ जाएगा। उसकी शक्ति राष्ट्र को नई ऊंचाई पर ले जाने में कितनी काम आएगी और इसलिए हम अपने स्तर पर होती है, चलती से मुक्ति पाकर के बदलावों के लिए आगे आएं, हिम्मत के साथ आगे आएं और सामान्य मानवीय की जरूरत तो छोटी-छोटी जरूरत होती है, पंचायत लेवल पर भी वो मुसीबतें झेल रहा है। उन मुसीबतों से मुक्ति दिलाएं तो मुझे पक्का विश्वास है कि हम सपनों को पार कर सकते हैं।

आज देश आकांक्षाओं से भरा हुआ

आज देश आकांक्षाओं से भरा हुआ है। हमारे देश का नौजवान नई सिद्धियों को चूमना चाहता है। नए-नए शिखरों पर वो कदम

रखना चाहता है और इसलिए हमारी कोशिश है हर सेक्टर में कार्य को हम गति दें, तेज गति दें और उसके द्वारा पहले हम हर सेक्टर में नए अवसर पैदा करें। दूसरा ये बदलती हुई व्यवस्थाओं के लिए ये जो सपोर्टिव इंफ्रास्ट्रक्चर चाहिए। उन इंफ्रास्ट्रक्चर पर हम बदलाव के मजबूती देने की दिशा में काम करें। और तीसरी बात है नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं के विषय में हम प्राथमिकता दें, उसको बल दें। इन तीनों ने भारत में एक आकांक्षी समाज का निर्माण किया है और उसके परिणामस्वरूप आज समाज खुद एक विश्वास से भरा हुआ है। हमारे देशवासियों की आकांक्षाएं उनके aspirations, हमारे नौजवानों की ऊर्जा, हमारे देश के सामर्थ्य के साथ जोड़कर के, हम आगे बढ़ने के, एक ललक लेकर के चल रहे हैं। मुझे विश्वास है रोजगार और स्वरोजगार नए रिकॉर्ड के अवसर पर हमने काम किया है।

प्रति व्यक्ति आज आय दोगुनी करने में हम सफल हुए हैं। वैश्विक विकास में भारत का योगदान बड़ा है। भारत का एक्सपोर्ट लगातार बढ़ रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार लगातार बढ़ा हुआ है, पहले से दोगुना पहुंचा है। ग्लोबल संस्थानों का भारत के प्रति भरोसा बढ़ा है। मुझे विश्वास है भारत की दिशा सही है, भारत की गति तेज है और भारत के सपनों में सामर्थ्य है, लेकिन इन सबके साथ संवेदनशीलता का हमारा मार्ग हमारे लिए ऊर्जा में एक नई चेतना भरता है। ममभाव हमारे कार्य की शैली है। समभाव भी चाहिए और ममभाव भी चाहिए, उसको लेकर के हम चल रहे हैं।

25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले

जब हम 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालते हैं तब हमारा विश्वास पक्का हो जाता है कि हमने गति को बराबर बनाए रखा किया है और सपनों को साकार करना अब दूर नहीं है। जब 100 से अधिक आकांक्षी जिले अपने-अपने राज्य के अच्छे जिलों की स्पर्धा कर रहे हैं, बराबरी करने लगे हैं तो हमें लगता है कि हमारी दिशा और गति दोनों सामर्थ्यवान हैं। जब हमारे उन आदिवासी साथियों को वो मदद मिलती है, पीएम जन-मन के द्वारा उनको जो योजनाएं पहुंची थी, आबादी बहुत छोटी है। लेकिन बहुत से दूर-सुदूर इलाकों में छुट-पुट, छुट-पुट, परिवार रहते हैं, हमने उनको खोजकर निकाला हैं, उनके लिए चिंता की है। तब लगता है कि संवेदनशीलता से जब काम करते हैं तब संतोष कितना मिलता है।

हमारे ट्रांसजेंडर समाज के प्रति हम जिस संवेदना के साथ निर्णय बना रहे हैं, हम नए-नए कानून बना रहे हैं, उनको सम्मान का जीवन देने के लिए हम प्रयास कर रहे हैं। तब बदलाव की हमारी दिशा सही दिखती है। सेवा-भाव से किए गए इन कामों का जो त्रिविध मार्गों से हम चले हुए हैं, इन कामों का एक सीधा-सीधा लाभ आज उसके परिणाम के रूप में हमें नजर आ रहा है। 60 साल बाद लगातार तीसरी बार आपने हमें देश सेवा का मौका दिया है। मेरे 140 करोड़ देशवासी आपने जो आशीर्वाद दिए हैं, उसके आशीर्वाद में मेरे लिए एक ही संदेश है 'जन-जन की सेवा', हर परिवार की सेवा, हर क्षेत्र की सेवा और सेवा भाव से समाज की शक्ति को साथ लेकर के विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचना।

2047 विकसित भारत के सपने को लेकर के चलना उसी एक संदेश को लेकर मैं आज लालकिले की प्राचीर से हमें आशीर्वाद देने के लिए मैं कोटि-कोटि देशवासियों का सर झुकाकर के आभार व्यक्त करता हूं, मैं उनके प्रति नतमस्तक होता हूं। और मैं उनको विश्वास दिलाता हूं कि हमें नई ऊंचाइयों को, नए जोश के साथ आगे बढ़ना है। हमें सिर्फ जो हो गया है वो संतोष मानकर के बैठने वाले हम लोग नहीं हैं, वो हमारे संस्कार में नहीं है। हम कुछ और

- **जब हम 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालते हैं तब हमारा विश्वास पक्का हो जाता है कि हमने गति को बराबर बनाए रखा किया है और सपनों को साकार करना अब दूर नहीं है**
- **जब 100 से अधिक आकांक्षी जिले अपने-अपने राज्य के अच्छे जिलों की स्पर्धा कर रहे हैं, बराबरी करने लगे हैं तो हमें लगता है कि हमारी दिशा और गति दोनों सामर्थ्यवान हैं**
- **विकसित भारत के सपने के लिए जिस प्रकार से मानव समूह तैयार करना चाहते हैं, नई शिक्षा नीति की बहुत बड़ी भूमिका है**
- **पिछले 10 साल में मेडिकल सीटों को करीब-करीब एक लाख कर दिया है**
- **अगले 5 साल में मेडिकल लाइन में 75 हजार नई सीटें बनाई जाएंगी**

करने के लिए, कुछ और आगे बढ़ने के लिए और कुछ और नई ऊंचाइयों को पार करने के लिए हम आगे बढ़ना चाहते हैं। विकास को, समृद्धि को सपनों को साकार करने को, संकल्पों के लिए जीवन खपाने को हम अपना स्वभाव बनाना चाहते हैं, देशवासियों को स्वभाव बनाना चाहते हैं।

21वीं सदी के अनुरूप हमारी शिक्षा व्यवस्था

आज नई शिक्षा नीति में कई राज्यों ने अच्छे initiatives

- **मैं मेरे देश के लाखों किसानों का आभार व्यक्त करना चाहता हूं, जिन्होंने प्राकृतिक खेती का रास्ता चुना है और हमारी धरती माता की भी सेवा करने का उन्होंने बीड़ा उठाया है**
- **बीते वर्षों में महिलानीत विकास मॉडल पर हमने काम किया है। नवाचार हो, रोजगार हो, उद्यमिता हो, हर सेक्टर में महिलाओं के कदम बढ़ते जा रहे हैं**
- **मुझे विश्वास है मैं लाल किले की प्राचीर से कह रहा हूं वो दिन दूर नहीं होगा जब भारत इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग का हब होगा**
- **कोई एक जमाना था, हम मोबाइल फोन इम्पोर्ट करते थे, आज मोबाइल फोन के मैन्युफैक्चरिंग का इकोसिस्टम बना है, एक बहुत बड़ा हब बना है और आज हम मोबाइल फोन दुनिया में एक्सपोर्ट करने लगे हैं**
- **हम 2030 तक रिन्यूएबल एनर्जी को 500 गीगावॉट तक ले जाने के लिए मकसद से काम कर रहे हैं**

लिए हैं और उसके कारण आज एक 21वीं सदी के अनुरूप हमारी शिक्षा व्यवस्था को जो हम बल देना चाहते हैं। और विकसित भारत के सपने के लिए जिस प्रकार से मानव समूह तैयार करना चाहते हैं, नई शिक्षा नीति की बहुत बड़ी भूमिका है। मैं नहीं चाहता हूं कि मेरे देश के नौजवानों को अब विदेशों में पढ़ने के लिए मजबूर होना पड़े। मध्यमवर्गीय परिवार का लाखों-करोड़ो रुपया बच्चों को विदेश पढ़ने के लिए भेजने में खर्च हो जाए। हम यहां ऐसी शिक्षा व्यवस्था को विकसित करना चाहते हैं कि मेरे देश के नौजवानों को विदेश जाना न पड़े। मेरे मध्यमवर्गीय परिवारों को लाखों-करोड़ों रुपया खर्च न करना पड़ें, इतना ही नहीं, ऐसे संस्थानों का निर्माण हो ताकि विदेशों से भारत के अंदर उनका मुंह मोड़े।

आज भी हमारे देश में चिकित्सा शिक्षा के लिए हमारे बच्चे बाहर जा रहे हैं। वो ज्यादातर मध्यम वर्ग परिवार के हैं। उनके लाखों-करोड़ों रुपये खर्च हो जाते हैं और तब जा करके हमने पिछले 10 साल में मेडिकल सीटों को करीब-करीब एक लाख कर दिया है। करीब-करीब 25 हजार युवा हर साल विदेश में चिकित्सा शिक्षा के लिए जाते हैं और ऐसे-ऐसे देश में जाना पड़ रहा है, कभी-कभी तो मैं सुनता हूं तो हैरान हो जाता हूं और इसलिए हमने तय किया है कि अगले 5 साल में मेडिकल लाइन में 75 हजार नई सीटें बनाई जाएंगी।

विकसित भारत 2047, वो स्वस्थ भारत भी होना चाहिए और जब स्वस्थ भारत हो तो आज जो बच्चे हैं, उनके पोषण पर आज से ही ध्यान देने की जरूरत है और इसलिए हमने विकसित भारत की जो पहली पीढ़ी है, उनकी तरफ विशेष ध्यान दे करके हमने पोषण का एक अभियान चलाया है। हमने राष्ट्रीय पोषण मिशन शुरू किया है, पोषण को हमने प्राथमिकता दी है।

प्राकृतिक खेती पर बल

आज जब धरती माता के प्रति सारा विश्व चिंतित है, जिस प्रकार से उर्वरक के कारण हमारी धरती माता की सेहत दिनोंदिन बिगड़ती जा रही है, हमारी धरती माता की उत्पादकता क्षमता खत्म होती चली जा रही है, कम होती चली जा रही है और उस समय मैं मेरे देश के लाखों किसानों का आभार व्यक्त करना चाहता हूं, जिन्होंने प्राकृतिक खेती का रास्ता चुना है और हमारी धरती माता की भी सेवा करने का उन्होंने बीड़ा उठाया है और इस बार बजट में भी हमने प्राकृतिक खेती को बल देने के लिए बहुत बड़ी योजनाओं के साथ बहुत बड़ा बजट में प्रावधान किया है।

बीते वर्षों में महिलानीत विकास मॉडल पर हमने काम किया है। नवाचार हो, रोजगार हो, उद्यमिता हो, हर सेक्टर में महिलाओं के कदम बढ़ते जा रहे हैं। महिलाएं सिर्फ भागीदारी बढ़ा रही हैं ऐसा नहीं है, महिलाएं नेतृत्व दे रही हैं। आज अनेक क्षेत्रों में, आज हमारे रक्षा क्षेत्र में देखिए हमारा एयरफोर्स हो, हमारी आर्मी हो, हमारी नेवी हो, हमारा स्पेस सेक्टर हो, आज हमारी महिलाओं का हम दमखम देख रहे हैं, देश के लिए। लेकिन दूसरी तरफ कुछ चिंता की बातें भी आती हैं और मैं आज लाल किले से फिर से एक बार अपनी पीड़ा व्यक्त करना चाहता हूं। एक समाज के नाते हमे गंभीरता से सोचना होगा कि हमारी माताओं-बहनों बेटियों के प्रति जो अत्याचार हो रहे हैं, उसके प्रति देश का आक्रोश है। जन सामान्य का आक्रोश है। इस आक्रोश को मैं महसूस कर रहा हूं। इसको देश को, समाज को, हमारी राज्य सरकारों को गंभीरता से लेना होगा।

आज हो रहा है मोबाइल फोन का निर्यात

किसी जमाने में कहा जाता था अरे खिलौने भी बाहर से आते थे, वो दिन देखे हमने। आज मैं गर्व से कह सकता हूं कि मेरे देश

के खिलौने इस दुनिया के बाजार में अपनी धमक लेकर के पहुंच रहे हैं। खिलौने हमारे एक्सपोर्ट होने शुरू हुए हैं। कोई एक जमाना था, हम मोबाइल फोन इम्पोर्ट करते थे, आज मोबाइल फोन के मैन्युफैक्चरिंग का इकोसिस्टम बना है, एक बहुत बड़ा हब बना है और आज हम मोबाइल फोन दुनिया में एक्सपोर्ट करने लगे हैं। ये भारत की ताकत है।

मुझे विश्वास है मैं लाल किले की प्राचीर से कह रहा हूं वो दिन दूर नहीं होगा जब भारत इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग का हब होगा, दुनिया उसकी तरफ देखती होगी। आज विश्व की बहुत बड़ी कंपनियां भारत में निवेश करना चाहती हैं। ये चुनाव के बाद मैंने देखा है, मेरे तीसरे कार्यकाल में जितने लोग मुझसे मिलने के लिए मांग कर रहे हैं वो ज्यादातर निवेशक लोग हैं। विश्वभर के निवेशक हैं, वो आना चाहते हैं, भारत में निवेश करना चाहते हैं। ये एक बहुत बड़ी सुनहरा अवसर है। मैं राज्य सरकारों से आग्रह करता हूं कि आप निवेशकों को आकर्षित करने के लिए स्पष्ट नीति निर्धारित कीजिए। सुशासन का आश्वासन दीजिए, कानून एवं व्यवस्था की स्थिति के लिए उनको भरोसा दीजिए। हर राज्य एक तंदुरुस्त स्पर्धा में आगे आएं।

2030 तक 500 गीगावॉट रिन्यूएबल एनर्जी का बड़ा लक्ष्य

आज विश्व के अंदर ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन हर क्षेत्र में चिंता और चर्चा का विषय रहता है। भारत ने उस दिशा में काफी कदम उठाए हैं। हम विश्व को आश्वस्त करते रहे हैं और शब्दों से नहीं अपने कार्यों से, प्राप्त परिणामों से हमने विश्व को आश्वस्त भी किया है और विश्व को आश्चर्यचकित भी किया है। हम 2030 तक रिन्यूएबल एनर्जी को 500 गीगावॉट तक ले जाने के लिए मकसद से काम कर रहे हैं, आप कल्पना कर सकते हैं कि कितना बड़ा लक्ष्य है। दुनिया के लोग सिर्फ 500 गीगावॉट शब्द सुनते हैं ना तो मेरी तरफ ऐसे-ऐसे देखते हैं। लेकिन आज मैं विश्वास से कह रहा हूं देशवासियों को कि इस लक्ष्य को भी हम पूरा करके रहेंगे। और ये मानवजाति की भी सेवा करेगा, हमारे भविष्य की भी सेवा करेगा, हमारे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी बनेगा।

आज हमारे साथ इस तिरंगे झंडे के नीचे वो नौजवान बैठे हैं, जिन्होंने ओलंपिक की दुनिया में भारत का परचम लहराया है। मैं मेरे देश के सभी एथलीट्स को, मैं देश के सभी खिलाड़ियों को 140 करोड़ देशवासियों की तरफ से बधाई देता हूं। और हम नए सपने, नए संकल्प अत्यधिक पुरुषार्थ के साथ नए लक्ष्यों को हासिल करने के लिए आगे बढ़ेंगे, ऐसा मैं विश्वास के साथ उनको शुभकामनाएं भी देता हूं आने वाले कुछ दिनों में भारत का एक बहुत बड़ा दस्ता पैरालंपिक के लिए, पेरिस जाने के लिए रवाना होगा। मैं, मेरे सभी पैरालंपिक खिलाड़ियों को भी हृदय से बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

समाज के आखिरी तबके के जो लोग हैं, यह हमारा सामाजिक दायित्व है, अगर कोई पीछे रह जाते हैं, तो यह हमारे आगे बढ़ने की गति कम कर देता है और इसलिए हम आगे बढ़ना चाहते हैं तो भी सफलता तब मिलती है पीछे वाले को भी साथ-साथ आगे ले आए। और इसलिए हम सबका दायित्व बनता है कि हमारे समाज में आज भी जो क्षेत्र पीछे रह गए हैं, जो समाज पीछे रह गए हैं, जो लोग पीछे रह गए हों, हमारे छोटे-छोटे किसान हो, हमारे जंगलों में रहने वाले मेरे आदिवासी भाई-बहन हों, हमारी माताएं-बहनें हों, हमारे मजदूर हों, हमारे श्रमिक साथी हों, हमारे कामगार लोग हों, इन सबको हमें बराबरी में लाने के लिए, हमारे बराबर लाने के लिए भरपूर प्रयास करना है, लेकिन अब गति पकड़ गई है अब लम्बे दिन तक हमें वो करना नहीं पड़ेगा, बहुत जल्द वो हमारे पास पहुंच जाएंगे, हमारी बराबरी में आ जाएंगे, हमारी ताकत बहुत बढ़ जाएगी और बड़ी संवेदना के साथ हमें इस काम को करना है। इसके लिए एक बहुत बड़ा अवसर आ रहा है। मैं मानता हूं संवेदनशीलता की

- **समाज के आखिरी तबके के जो लोग हैं, यह हमारा सामाजिक दायित्व है, अगर कोई पीछे रह जाते हैं, तो यह हमारे आगे बढ़ने की गति कम कर देता है और इसलिए हम आगे बढ़ना चाहते हैं तो भी सफलता तब मिलती है पीछे वाले को भी साथ-साथ आगे ले आएं**
- **भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती आ रही है। यह हम सबके लिए प्रेरणा का कारण बनें। समाज के प्रति छोटा सा छोटा व्यक्ति भी देश के लिए कैसे जज्बात रखता है उससे बड़ी प्रेरणा भगवान बिरसा मुंडा से कौन अधिक हो सकता है**
- **ईमानदारी के साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ मेरी लड़ाई जारी रहेगी, तीव्र गति से जारी रहेगी और भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई जरूर होगी**
- **बांग्लादेश में जो कुछ भी हुआ है, उसको लेकर पड़ोसी देश के नाते चिंता होना, मैं इसको समझ सकता हूं। मैं आशा करता हूं कि वहां पर हालात जल्द ही सामान्य होंगे। खासकर के 140 करोड़ देशवासियों की चिंता कि वहां हिंदू, वहां के अल्पसंख्यक, उस समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित हो**

दृष्टि से इससे बड़ा अवसर और क्या हो सकता है।

आ रही है भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती

हमें पता है अंग्रेजों की नाक में दम करने वाला हमारे देश का एक आदिवासी युवक था। 20-22 साल की उम्र में उसने अंग्रेजों की नाकों में दम ला दिया था, जिसको आज भगवान बिरसा मुंडा के रूप में लोग पूजा करते हैं। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती आ रही है। यह हम सबके लिए प्रेरणा का कारण बनें। समाज के प्रति छोटा सा छोटा व्यक्ति भी देश के लिए कैसे जज़्बात रखता है उससे बड़ी प्रेरणा भगवान बिरसा मुंडा से कौन अधिक हो सकता है। आइये, हम भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती जब मनाएं, संवेदनशीलता का हमारा व्याप बढ़े, समाज के प्रति हमारा मनोभाव बढ़े, हम समाज के हर व्यक्ति को गरीबों को, दलितों को, पिछड़ों को, आदिवासियों को, हरेक को हम अपने साथ ले करके चले, इस संकल्प को ले करके चलना है।

- **परिवारवाद, जातिवाद भारत के लोकतंत्र को बहुत नुकसान कर रहा है। देश को, राजनीति को हमें परिवारवाद और जातिवाद से मुक्ति दिलानी होगी**
- **हम जल्द से जल्द देश में राजनीतिक जीवन में जनप्रतिनिधि के रूप में एक लाख ऐसे नौजवानों को आगे लाना चाहते हैं शुरुआत में, एक लाख ऐसे नौजवानों को आगे लाना चाहते हैं जिनके परिवार में किसी का भी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि न हो**
- **भारत का स्वर्णिम कालखंड है 2047 विकसित भारत, ये हमारी प्रतीक्षा कर रहा है**
- **मैं साफ देख रहा हूं, मेरे विचारों में कोई झिझक नहीं है। मेरे सपनों के सामने कोई पर्दा नहीं है**

समाज की मनोरचना में भी बदलाव कभी-कभी बहुत बड़ी चुनौती का कारण बन जाता है। हमारा हर देशवासी भ्रष्टाचार की दीमक से परेशान रहा है। हर स्तर के भ्रष्टाचार ने सामान्य मानवी का व्यवस्थाओं के प्रति विश्वास तोड़ दिया है। उसको अपनी योग्यता, क्षमता के प्रति अन्याय का जो गुस्सा होता है, वो राष्ट्र की प्रगति में नुकसान करता है। और इसलिए मैंने व्यापक रूप से भ्रष्टाचार के खिलाफ एक जंग छेड़ी है। मैं जानता हूं, इसकी कीमत मुझे चुकानी पड़ती है, मेरी प्रतिष्ठा को चुकानी पड़ती है, लेकिन राष्ट्र से बड़ी मेरी प्रतिष्ठा नहीं हो सकती है, राष्ट्र के सपनों से बड़ा मेरा सपना नहीं हो सकता है। और इसलिए ईमानदारी के साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ मेरी लड़ाई जारी रहेगी, तीव्र गति से जारी रहेगी और भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई जरूर होगी।

बांग्लादेश में जो कुछ भी हुआ है, उसको लेकर पड़ोसी देश के नाते चिंता होना, मैं इसको समझ सकता हूं। मैं आशा करता हूं कि वहां पर हालात जल्द ही सामान्य होंगे। खासकर के 140 करोड़ देशवासियों की चिंता कि वहां हिंदू, वहां के अल्पसंख्यक, उस समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित हो। भारत हमेशा चाहता है कि हमारे पड़ोसी देश सुख और शांति के मार्ग पर चलें। शांति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है, हमारे संस्कार हैं। हम आने वाले दिनों में बांग्लादेश की विकास यात्रा में हमेशा हमारा शुभ चिंतन ही रहेगा क्योंकि हम मानव जाति की भलाई सोचने वाले लोग हैं।

संविधान के 75 वर्ष

हमारे संविधान को 75 वर्ष हो रहे हैं। भारत के संविधान की 75 वर्ष यात्रा, देश के एक बनाना, देश को श्रेष्ठ बनाने में बहुत बड़ी भूमिका रही है। भारत के लोकतंत्र को मजबूती देने में हमारे देश के संविधान की बहुत बड़ी भूमिका रही है। हमारे देश के दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित को सुरक्षा देने का बहुत बड़ा काम हमारे संविधान ने किया है। अब जब संविधान के 75 वर्ष हम

मनाने जा रहे हैं तब हम देशवासियों ने संविधान में निर्दिष्ट कर्तव्य के भाव पर बल देना बहुत जरुरी है और जब मैं कर्तव्य की बात करता हूं तब मैं सिर्फ नागरिकों पर बोझ बनाना नहीं चाहता।

कर्तव्य केंद्र सरकार के भी हैं, कर्तव्य केंद्र सरकार के हर मुलाजिम के भी हैं, कर्तव्य राज्य सरकारों के भी हैं, राज्य सरकार के मुलाजिम के हैं। कर्तव्य हर स्थानीय स्वराज संस्था के हैं चाहे पंचायत हो, नगरपालिका हों, महानगरपालिका हों, तहसिल हो, जिला हो, हर किसी के कर्तव्य हैं, लेकिन साथ-साथ 140 करोड़ देशवासियों के कर्तव्य हैं। अगर हम सब मिलकर के अपने कर्तव्यों का निर्वाह करेंगे तो हम अपने आप औरों के अधिकारों की रक्षा करने के लिए निमित्त बनेंगे और जब कर्तव्य का पालन होता है, तब अधिकारों की रक्षा निहित होती है, उसके लिए कोई अलग से प्रयास करने की जरूरत नहीं पड़ जाती है। मैं चाहता हूं कि हमारे इस भाव को लेकर के हम चलेंगे। हमारा लोकतंत्र भी मजबूत होगा। हमारा सामर्थ्य और बढ़ेगा और हम एक नई शक्ति के साथ आगे बढ़ेंगे।

परिवारवाद-जातिवाद से लोकतंत्र को बहुत नुकसान

जब मैं देश में एक चिंता के बारे में हमेशा कहता हूं परिवारवाद, जातिवाद भारत के लोकतंत्र को बहुत नुकसान कर रहा है। देश को, राजनीति को हमें परिवारवाद और जातिवाद से मुक्ति दिलानी होगी। मैं देख रहा हूं मेरे सामने जो नौजवान हैं उसमें लिखा हुआ है My Bharat जिस संगठन का नाम है उसकी चर्चा लिखी है। बहुत बढ़िया तरीके से लिखा हुआ है। My Bharat के अनेक मिशन हैं। एक मिशन ये भी है कि हम जल्द से जल्द देश में राजनीतिक जीवन में जनप्रतिनिधि के रूप में एक लाख ऐसे नौजवानों को आगे लाना चाहते हैं शुरुआत में, एक लाख ऐसे नौजवानों को आगे लाना चाहते हैं जिनके परिवार में किसी का भी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि न हो। जिसके माता-पिता, भाई-बहन, चाचा, मामा–मामी कभी भी राजनीति में नहीं रहे।

भारत का स्वर्णिम कालखंड है 2047 विकसित भारत, ये हमारी प्रतीक्षा कर रहा है। बाधाएं, रुकावटें, चुनौतियां, उसको परास्त करके एक दृढ़संकल्प के साथ ये देश चलने के लिए प्रतिबद्ध है और मैं साफ देख रहा हूं, मेरे विचारों में कोई झिझक नहीं है। मेरे सपनों के सामने कोई पर्दा नहीं है। मैं साफ–साफ देख सकता हूं कि ये देश 140 करोड़ देशवासियों के परिश्रम से हमारे पूर्वजों का खून हमारी रगों में है। अगर वो 40 करोड़ लोग आजादी के सपनों को पूर्ण कर सकते हैं तो 140 करोड़ देशवासी समृद्ध भारत के सपने को साकार कर सकते हैं। 140 करोड़ देशवासी 'विकसित भारत' के सपने को साकार कर सकते हैं।

मेरा हर पल देश के लिए

मैंने पहले भी कहा था कि मेरे तीसरे टर्म में देश तीसरी इकॉनमी तो बनेगा ही, लेकिन मैं तीन गुना काम करूंगा, तीन गुना तेज गति से काम करूंगा, तीन गुना व्यापकता से काम करूंगा, ताकि देश के लिए जो सपने हैं वो बहुत निकट में पूरे हो, मेरा हर पल देश के लिए है, मेरा हर क्षण देश के लिए है, मेरा कण-कण सिर्फ और सिर्फ 'मां' भारती के लिए है और इसलिए 24x7 और 2047 इस प्रतिबद्धता के साथ आइये मैं देशवासियों को आह्वान करता हूं, हमारे पूर्वजों ने जो सपने देखे थे, उन सपनों को हम संकल्प बनाएं, अपने सपनों को जोड़े, अपने पुरुषार्थ को जोड़े और 21वीं सदी जो भारत की सदी है, उस सदी में स्वर्णिम भारत बना करके रहें, उसी सदी में हम विकसित भारत बना करके रहें और उन सपनों को पूरा करते हुए आगे बढ़ें और स्वतंत्र भारत 75 साल की यात्रा के बाद एक नये मुकाम पर बढ़ रहा है, तब हम कोई कोर-कसर न छोड़ें और मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, आपने जो मुझे दायित्व दिया है मैं कोई कोर-कसर नहीं छोड़ूंगा, मैं मेहनत में कभी पीछे नहीं रहूंगा, मैं साहस में कभी कतराता नहीं हूं, मैं चुनौतियों से कभी टकराते से डरता नहीं हूं, क्यों? क्योंकि मैं आपके लिए जीता हूं, मैं आपके भविष्य के लिए जीता हूं, मैं भारत माता के उज्ज्वल भविष्य के लिए जी रहा हूं और उन सपनों को पूरा करने के लिए आज राष्ट्रध्वज की छाया में तिरंगे की छाया में दृढ़ संकल्प के साथ हम आगे बढ़े, इसी के साथ मेरे साथ बोलिए—

- **140 करोड़ देशवासी विकसित भारत के सपने को साकार कर सकते हैं**
- **मैंने पहले भी कहा था कि मेरे तीसरे टर्म में देश तीसरी इकॉनमी तो बनेगा ही, लेकिन मैं तीन गुना काम करूंगा, तीन गुना तेज गति से काम करूंगा, तीन गुना व्यापकता से काम करूंगा, ताकि देश के लिए जो सपने हैं वो बहुत निकट में पूरे हों**
- **मैं भारत माता के उज्ज्वल भविष्य के लिए जी रहा हूं और उन सपनों को पूरा करने के लिए आज राष्ट्रध्वज की छाया में तिरंगे की छाया में दृढ़ संकल्प के साथ हम आगे बढ़े**

भारत माता की जय। भारत माता की जय।
भारत माता की जय।

वन्दे मातरम्। वन्दे मातरम्। वन्दे मातरम्। वन्दे मातरम्। जय हिन्द। जय हिन्द। जय हिन्द। ■

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया भाजपा केंद्रीय कार्यालय में झंडोत्तोलन

हमें भारत को 'विकसित राष्ट्र' की ओर ले जाना है : जगत प्रकाश नड्डा

78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 15 अगस्त, 2024 को नई दिल्ली स्थित भाजपा केंद्रीय कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज का झंडोत्तोलन किया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद सर्वश्री अरुण सिंह, दुष्यंत गौतम व राधामोहन अग्रवाल, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी डॉ. संजय मयूख, पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झंडोत्तोलन के उपरांत श्री नड्डा ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश 78वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। समूचे देश में खुशनुमा माहौल है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर अमृतकाल में देश के युवा, किसान, महिला, आदिवासी, दलित समेत सभी लोग सभी भारत को 'विकसित राष्ट्र' बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। श्री नड्डा ने कहा कि सभी देशवासियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और डिजिटल मीडिया के माध्यम से जुड़े हुए सभी लोगों को 78वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं एवं बधाई देता हूं।

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक देश है। लोकतंत्र की जननी भारत अपना 78वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है और अपने शहीदों, वीर जवानों और स्वतंत्रता सेनानियों को भी याद कर रहा है, जिनके माध्यम से हम लोगों को आजादी मिली। हमें उस आजादी को संजोकर और संभालकर रखना है और देश को 'विकसित राष्ट्र' की ओर ले जाना है।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज राष्ट्र को संबोधित करते हुए आनेवाले समय में देश के लिए लक्ष्य निर्धारित किये हैं। फिर चाहे वो ज्ञान का क्षेत्र, विज्ञान का क्षेत्र, स्वास्थ्य का क्षेत्र, आर्थिक जगत का क्षेत्र हो या फिर मानवता से जुड़े हुए पैमाने हों। हमें सभी क्षेत्रों में भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में आगे ले जाना है। इसीलिए, स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाओं के साथ सभी कार्यकर्ताओं का यह कर्तव्य बनता है कि हम भारत को 'विकसित राष्ट्र' बनाने में कोई कसर न छोड़े और देश के सभी लोगों को अपने साथ लेकर इस भव्य यात्रा में पूरा योगदान करें। मुझे पूरा विश्वास है कि भारतीय जनता पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता देशवासियों के साथ मिलकर इस विकसित राष्ट्र की यात्रा की संकल्पना को पूरा करेगा। ■

राम माधव एवं जी. किशन रेड्डी बने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव प्रभारी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 20 अगस्त, 2024 को आगामी जम्मू एवं कश्मीर विधानसभा चुनाव हेतु पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री राम माधव एवं केंद्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी को चुनाव प्रभारी नियुक्त किया। ■

'सामाजिक न्याय' सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है: द्रौपदी मुर्मु

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने 14 अगस्त को 78वें स्वतन्त्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित किया। राष्ट्र के नाम संदेश में उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 से वर्ष 2024 के बीच 8 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर हासिल करके भारत सबसे तेज गति से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। इससे न केवल देशवासियों के हाथों में अधिक पैसा आया है, बल्कि गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में भी भारी कमी आई है। यहां प्रस्तुत है उनके संबोधन के मुख्य अंश:

मैं आप सभी को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। सभी देशवासी 78वें स्वतन्त्रता दिवस का उत्सव मनाने की तैयारी कर रहे हैं, यह देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। स्वाधीनता दिवस के अवसर पर लहराते हुए तिरंगे को देखना - चाहे वह लाल किले पर हो, राज्यों की राजधानियों में हो या हमारे आस-पास हो - हमारे हृदय को उत्साह से भर देता है। यह उत्सव 140 करोड़ से अधिक देशवासियों के साथ अपने इस महान देश का हिस्सा होने की हमारी खुशी को अभिव्यक्त करता है।

पंद्रह अगस्त के दिन देश-विदेश में सभी भारतीय ध्वजारोहण समारोहों में भाग लेते हैं, देशभक्ति के गीत गाते हैं और मिठाइयां बांटते हैं। बच्चे सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। जब हम बच्चों को अपने महान राष्ट्र तथा भारतीय होने के गौरव के बारे में बातें करते हुए सुनते हैं तो उनके उद्गारों में हमें महान स्वतंत्रता सेनानियों की भावनाओं की प्रतिध्वनि सुनाई देती है। हमें यह अनुभव होता है कि हम उस परंपरा का हिस्सा हैं जो स्वाधीनता सेनानियों के सपनों और उन भावी पीढ़ियों की आकांक्षाओं को एक कड़ी में पिरोती है जो आने वाले वर्षों में हमारे राष्ट्र को अपना सम्पूर्ण गौरव पुनः प्राप्त करते हुए देखेंगी।

देशप्रेमियों ने अनेक जोखिम उठाए और सर्वोच्च बलिदान दिए

इतिहास की इस श्रृंखला की एक कड़ी होने का बोध हमारे अंदर विनम्रता का संचार करता है। यह बोध हमें उन दिनों की याद दिलाता है जब हमारा देश विदेशी शासन के अधीन था। राष्ट्र-भक्ति और वीरता से ओत-प्रोत देशप्रेमियों ने अनेक जोखिम उठाए और सर्वोच्च बलिदान दिए। हम उनकी पावन स्मृति को नमन करते हैं। उनके अथक प्रयासों के बल पर भारत की आत्मा सदियों की नींद से जाग उठी। अंतर-धारा के रूप में सदैव विद्यमान रही हमारी विभिन्न परंपराओं और मूल्यों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी हमारे महान स्वाधीनता सेनानियों ने नई अभिव्यक्ति प्रदान की।

मार्गदर्शक-नक्षत्र की तरह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने स्वाधीनता संग्राम की विभिन्न परंपराओं और उनकी विविध अभिव्यक्तियों को एकजुट किया। साथ ही, सरदार पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और बाबासाहब आंबेडकर तथा भगत सिंह और चंद्रशेखर आज़ाद जैसे अनेक महान जन-नायक भी सक्रिय थे। यह एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन था, जिसमें सभी समुदायों ने भाग लिया। आदिवासियों में तिलका मांझी, बिरसा मुंडा, लक्ष्मण नायक और फूलो-झानो जैसे कई अन्य लोग थे, जिनके बलिदान की अब सराहना हो रही है।

हमने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाना शुरू किया है। अगले वर्ष उनकी 150वीं जयंती का उत्सव राष्ट्रीय पुनर्जागरण में उनके योगदान को और अधिक गहराई से सम्मान देने का अवसर होगा।

आज, 14 अगस्त को हमारा देश विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मना रहा है। यह विभाजन की भयावहता को याद करने का दिन है। जब हमारे महान राष्ट्र का विभाजन हुआ, तब लाखों लोगों को मजबूरन पलायन करना पड़ा। लाखों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। स्वतंत्रता दिवस मनाने से एक दिन पहले हम उस अभूतपूर्व मानवीय त्रासदी को याद करते हैं और उन परिवारों के साथ एक-जुट होकर खड़े होते हैं जो छिन्न-भिन्न कर दिए गए थे।

हमारे नव-स्वाधीन राष्ट्र की यात्रा में गंभीर बाधाएं आईं

हम अपने संविधान की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। हमारे नव-स्वाधीन राष्ट्र की यात्रा में गंभीर बाधाएं आई हैं। न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुता के संवैधानिक आदर्शों पर दृढ़ रहते हुए हम इस अभियान के साथ आगे बढ़ रहे हैं कि भारत विश्व-पटल पर अपना गौरवशाली स्थान पुनः प्राप्त करे।

इस वर्ष हमारे देश में आम चुनाव हुए। कुल मतदाताओं की संख्या लगभग 97 करोड़ थी, जो एक ऐतिहासिक कीर्तिमान है। मानव समुदाय इतिहास की सबसे बड़ी चुनाव प्रक्रिया का साक्षी बना। इस तरह के विशाल आयोजन के सुचारु और त्रुटि-रहित संचालन के लिए भारत का निर्वाचन आयोग बधाई के योग्य है।

वर्ष 2021 से वर्ष 2024 के बीच 8 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर

वर्ष 2021 से वर्ष 2024 के बीच 8 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर हासिल करके भारत सबसे तेज गति से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। इससे न केवल देशवासियों के हाथों में अधिक पैसा आया है, बल्कि गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में भी भारी कमी आई है।

यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और हम शीघ्र ही विश्व की तीन शीर्षस्थ अर्थव्यवस्थाओं में स्थान प्राप्त करने के लिए तैयार हैं। यह सफलता किसानों और श्रमिकों की अथक मेहनत, नीति-निर्माताओं और उद्यमियों की दूरगामी सोच तथा देश के दूरदर्शी नेतृत्व के बल पर ही संभव हो सकी है।

हाल के वर्षों में इन्फ्रास्ट्रक्चर को काफी बढ़ावा मिला

हमारे अन्नदाता किसानों ने उम्मीदों से बेहतर कृषि उत्पादन सुनिश्चित किया है। ऐसा करके उन्होंने भारत को कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और हमारे देशवासियों को भोजन उपलब्ध कराने में अमूल्य योगदान दिया है। हाल के वर्षों में इन्फ्रास्ट्रक्चर को काफी बढ़ावा मिला है। सुविचारित योजनाओं एवं प्रभावी कार्यान्वयन ने सड़कों और राजमार्गों, रेलवे और बंदरगाहों का जाल बिछाने में मदद की है।

सामाजिक न्याय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार ने अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और समाज के अन्य हाशिए के वर्गों के कल्याण के लिए अनेक अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। उदाहरण के लिए प्रधानमंत्री सामाजिक उत्थान एवं रोजगार आधारित जनकल्याण, यानी पीएम-सूरज का उद्देश्य हाशिए पर के लोगों को सीधे वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा-अभियान यानी पीएम-जनमन ने एक जन अभियान का रूप ले लिया है। इसके तहत विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों, यानी पीवीटीजी की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार के लिए निर्णायक कदम उठाए जा रहे हैं।

महिला कल्याण और महिला सशक्तीकरण को समान महत्व

हमारे समाज में महिलाओं को केवल समानता का ही नहीं, बल्कि समानता से भी ऊपर का दर्जा दिया जाता है। हालांकि, उन्हें परंपरागत पूर्वाग्रहों का कष्ट भी झेलना पड़ा है, लेकिन मुझे यह जानकर खुशी होती है कि सरकार ने महिला कल्याण और महिला सशक्तीकरण को समान महत्व दिया है।

पिछले दशक में इस उद्देश्य के लिए बजट प्रावधान में तीन गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। श्रम बल में उनकी भागीदारी बढ़ी है। इस संदर्भ में जन्म के समय बेटियों के अनुपात में हुए उल्लेखनीय सुधार को सबसे उत्साहजनक विकास कहा जा सकता है।

महिलाओं को केंद्र में रखते हुए सरकार द्वारा अनेक विशेष योजनाएं भी लागू की गई हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का उद्देश्य महिलाओं का वास्तविक सशक्तीकरण सुनिश्चित करना है।

न्याय के संदर्भ में मैं यह भी उल्लेख करना चाहती हूं कि इस वर्ष जुलाई से भारतीय न्याय संहिता को लागू करने में हमने औपनिवेशिक युग के एक और अवशेष को हटा दिया है। नई संहिता का उद्देश्य केवल दंड देने की बजाय अपराध-पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करना है। मैं इस बदलाव को स्वाधीनता सेनानियों के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में देखती हूं।

युवा प्रतिभा का समुचित उपयोग करने के लिए सरकार ने कौशल, रोजगार तथा अन्य अवसरों को सुलभ बनाने के लिए पहल की है। रोजगार और कौशल के लिए प्रधानमंत्री की पांच योजनाओं के माध्यम से पांच वर्षों में चार करोड़ दस लाख युवाओं को लाभ मिलेगा।

भारत में हम विज्ञान और प्रौद्योगिकी को ज्ञान की खोज के साथ-साथ मानवीयता-पूर्ण प्रगति के साधन के रूप में देखते हैं।

अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति

हाल के वर्षों में भारत ने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। आप सभी के साथ मैं भी अगले साल होने वाले गगनयान मिशन के शुभारंभ की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रही हूं। इस मिशन के तहत भारत के पहले मानव अंतरिक्ष यान में भारतीय अंतरिक्ष टीम को अंतरिक्ष में ले जाया जाएगा।

खेल जगत भी एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें हमारे देश ने पिछले दशक में बहुत प्रगति की है। सरकार ने खेल के बुनियादी ढांचे के विकास को समुचित प्राथमिकता दी है और इसके परिणाम सामने आ रहे हैं। हाल ही में संपन्न पेरिस ओलंपिक खेलों में भारतीय दल ने अपना उत्कृष्ट प्रयास किया। मैं खिलाड़ियों की निष्ठा और परिश्रम की सराहना करती हूं। उन्होंने युवाओं में प्रेरणा का संचार किया है।

क्रिकेट में भारत ने टी-20 विश्व कप जीता, जिससे बड़ी संख्या में क्रिकेट-प्रेमी आनंदित हुए। शतरंज में विलक्षण प्रतिभा वाले युवा खिलाड़ियों ने देश को गौरवान्वित किया है। इसे शतरंज में भारतीय युग का आरंभ माना जा रहा है। बैडमिंटन, टेनिस और अन्य खेलों में हमारे युवा खिलाड़ी विश्व मंच पर अपनी पहचान बना रहे हैं। उनकी उपलब्धियों ने अगली पीढ़ी को भी प्रेरित किया है। ■

पश्चिम बंगाल में महिला डॉक्टर के साथ हुई घटना दिल दहलानेवाली : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 13 अगस्त, 2024 को एक प्रेस-वक्तव्य जारी कर कहा कि पश्चिम बंगाल में जो घटना महिला डॉक्टर के साथ हुई है, वह दिल दहलानेवाली है। मैं इसकी निंदा करता हूं और इस अमानवीय घटना पर दुःख व्यक्त करता हूं। जिस तरह से पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने इस घटना को छुपाने का प्रयास किया है, उसकी जितनी भर्त्सना की जाए उतनी कम है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तृणमूल सरकार में पश्चिम बंगाल एक ऐसा प्रदेश बन गया है, जहां कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है और दुःख की बात यह है कि पश्चिम बंगाल में महिलाओं पर दिन-प्रतिदिन अत्याचार बढ़ रहे हैं। एक महिला मुख्यमंत्री होने के बाद भी यह सब हो रहा है, ये और भी चिंताजनक है। जिस तरह से ममता बनर्जी की सरकार ने इस मामले को दबाने की कोशिश की और जनता की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश की है, मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं।

श्री नड्डा ने कहा कि इस मामले में हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच का जो निर्णय दिया है, मैं उसका स्वागत करता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि सीबीआई जांच में सच्चाई सामने आएगी। पिछले दो दिनों में हमें बहुत से डॉक्टर प्रतिनिधि मिले हैं, मैंने सभी को आश्वासन दिया है कि इस घटना को लेकर और डॉक्टरों पर हो रहे हमलों को लेकर उनकी चिंता पर मंत्रालय संज्ञान लेगा और इसके लिए जो भी आवश्यक होगा वो कदम सरकार उठाएगी। ■

पश्चिम बंगाल में महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार एवं हत्या के विरोध में महिला मोर्चा ने निकाला कैंडल मार्च

पश्चिम बंगाल में महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार एवं हत्या की जघन्य घटना के खिलाफ भाजपा महिला मोर्चा ने कोलकाता के मेडिकल कॉलेज के बाहर मौन कैंडल मार्च निकाला। इस मार्च का नेतृत्व महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती वानथी श्रीनिवासन ने किया।

बाद में मीडिया को संबोधित करते हुए श्रीमती श्रीनिवासन ने कहा, "यह पश्चिम बंगाल का दुर्भाग्य है कि एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद राज्य की बहनें और बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। अत्यंत दुःख एवं आक्रोश के साथ मैं हाल ही में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार व हत्या की भयावह घटना को लेकर एक महिला मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट कराने के लिए यहां आयी हूं। यह जघन्य कृत्य पश्चिम बंगाल में महिला सुरक्षा की भयावह स्थिति को दर्शाता है और इससे भी शर्मनाक बात यह है कि यहां की सरकार एवं प्रशासन पूरी तरह से एकजुट होकर शुरू से ही इस घटना को नकारने की कोशिश कर रहा है और सबूतों को मिटाने की कोशिश कर रहा है। टीएमसी सरकार एक महिला विरोधी सरकार बन गई है, जिसके लिए सत्ता ही सब कुछ है। हम सभी निःशब्द हैं। हम मांग करते हैं कि महिला डॉक्टर के परिवार को न्याय मिले और पश्चिम बंगाल की बहनें एवं बेटियां सुरक्षित हों।" ■

'बंगाल बंद' सफल

पश्चिम बंगाल में कानून का राज नहीं है: सुकांत मजूमदार

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के जघन्य अपराध के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी ने 28 अगस्त, 2024 को 12 घंटे का 'बंगाल बंद' बुलाया। भाजपा के इस आह्वान को समाज के सभी वर्गों, खासकर महिलाओं का पूर्ण समर्थन मिला, जिससे यह बंद बेहद सफल साबित हुआ। इस दौरान पुलिस ने राज्य भर में हजारों लोगों को हिरासत में लिया, जिनमें कई भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता शामिल थे। इस बंद के लिए बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता सड़क पर उतरे। उन्होंने विशाल रैलियां निकालीं और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एवं टीएमसी सरकार के खिलाफ नारे लगाए; जिनके शासन में राज्य की कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

प्रदेश भाजपा नेतृत्व ने बताया कि यह बंद बेहद सफल रहा और राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह को एक पत्र लिखा गया है।

भारतीय जनता पार्टी ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार एवं नृशंस हत्या मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को धमकाने, पीड़ता को न्याय दिलाने के बदले अपराधियों को बचाने और भाजपा के पश्चिम बंगाल बंद के दौरान कार्यकर्ताओं पर हिंसक हमला कराने के लिए जमकर आलोचना की।

भड़काऊ बयानबाजी कर रही हैं ममता बनर्जी: सुकांत मजूमदार

बंगाल भाजपा अध्यक्ष श्री सुकांत मजूमदार ने केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह को पत्र लिखकर मेयो रोड पर तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद् की रैली में भड़काऊ भाषण देने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की निंदा की। श्री मजूमदार ने बंगाल के नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए त्वरित एवं निर्णायक कार्रवाई का आह्वान किया।

श्री मजूमदार ने मुख्यमंत्री पर आरोप लगाया कि वह भीड़ को उकसाने की कोशिश कर रही हैं और राज्य मशीनरी बदले की राजनीति से प्रेरित होकर कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर, असम, बिहार, झारखंड, ओडिशा और दिल्ली के बारे में उनकी टिप्पणियां संघीय ढांचे एवं राष्ट्रीय हित के लिए खतरनाक हैं।

श्री मजूमदार ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कानून का राज नहीं है, केवल अराजकता है। यह चौंकाने वाली बात है कि राज्य की मुख्यमंत्री एक महिला हैं, फिर भी जब महिलाओं को निशाना बनाकर किए गए अपराधों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाता है, तो वह लाठीचार्ज, पानी की बौछार और आंसू गैस से जवाब देती हैं।

श्री मजूमदार ने इस बात पर जोर दिया कि पश्चिम बंगाल में कानून का शासन नहीं है। यहां लोक सेवकों, विशेषकर उच्च अधिकारियों का कर्तव्य है कि वे शांति बनाने का प्रयास करें तथा हिंसा को हतोत्साहित करें।

अपनी विफल राजनीति की आड़ में भारत को भड़काने की कोशिश न करें: हिमंत बिस्वा सरमा

असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भी असम में संभावित अशांति की धमकी देने के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना की। श्री सरमा ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपनी कमियों को छिपाने के लिए पूर्वोत्तर राज्यों में लोगों को भड़का रही हैं। श्री सरमा ने एक्स पर लिखा, "दीदी, असम को धमकाने की आपकी हिम्मत कैसे हुई? हमें अपना गुस्सा मत दिखाइए।" उन्होंने अपने पोस्ट के साथ उनके भड़काऊ भाषण का 46 सेकंड का वीडियो क्लिप भी पोस्ट किया।

उन्होंने कहा, "अपनी विफल राजनीति की आड़ में भारत को भड़काने की कोशिश भी मत कीजिए। विभाजनकारी भाषा बोलना आपको शोभा नहीं देता।"

पूर्वोत्तर से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें: एन बीरेन सिंह

मणिपुर के मुख्यमंत्री श्री एन बीरेन सिंह ने भी बंगाल की मुख्यमंत्री की आलोचना की। उन्होंने एक ट्वीट कर कहा, "दीदी की हिम्मत कैसे हुई पूर्वोत्तर को धमकाने की? मैं इस तरह की गैरजिम्मेदाराना टिप्पणियों की कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। उन्हें पूर्वोत्तर और देश के बाकी हिस्सों से सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगनी चाहिए।" उन्होंने आगे कहा, "ममता जी को तुरंत विभाजनकारी राजनीति के साथ हिंसा और नफरत भड़काना बंद करना चाहिए। किसी राजनीतिक नेता द्वारा सार्वजनिक मंच पर हिंसा की धमकी देना बेहद अनुचित है।" ■

विपक्ष शासित राज्यों में महिला सुरक्षा की स्थिति चिंताजनक: एक रिपोर्ट

आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में पीजी प्रशिक्षु छात्रा के खिलाफ हुए जघन्य अपराध ने विपक्ष शासित राज्यों में महिलाओं के सामने आने वाली गंभीर परिस्थितियों को उजागर किया है। यह घटना न केवल कामकाजी महिलाओं के लिए सुरक्षा की कमी को रेखांकित करती है, बल्कि कोलकाता के आरजी कर अस्पताल के भीतर चिंताजनक 'पोलिटिकल डॉयमिक्स' को भी उजागर करती है। यह महिलाओं की सुरक्षा के लिए विपक्षी दलों की प्रतिबद्धता पर गंभीर सवाल उठाता है, क्योंकि विपक्षी सरकारें अक्सर न्याय सुनिश्चित करने के बजाय गलत काम करने वालों को बचाने पर अपना ध्यान अधिक केंद्रित करती हैं

पश्चिम बंगाल मे टीएमसी सरकार ने अपराधियों को बचाने एवं राजनीतिक पैंतरेबाजी का एक चिंताजनक पैटर्न प्रदर्शित किया है। संदेशखली मामले में सरकार ने अपराधी को बचाया जबकि संदेशखली पीड़िता रेखा पात्रा को निशाना बनाया गया। इसके विपरीत, भाजपा रेखा के पक्ष में खड़ी रही, यहां तक कि उन्हें बशीरहाट से उम्मीदवार भी बनाया, जहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें 'शक्ति स्वरूपा' के रूप में संबोधित किया।

विपक्ष शासित राज्यों में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध और अत्याचारों का एक चिंताजनक पैटर्न सामने आ रहा है। सबसे ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि इन सरकारों द्वारा महिलाओं की पीड़ा के प्रति स्पष्ट उदासीनता, जवाबदेही की कमी और ऐसे गंभीर मुद्दों का राजनीतिकरण किया जा रहा है।

चिंताजनक घटनाओं की बढ़ती सूची इन राज्यों में महिलाओं की सुरक्षा के प्रति व्यापक उपेक्षा को उजागर करती है, तथा महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों की एक गंभीर तस्वीर पेश करती है, जहां राजनीतिक प्राथमिकताएं न्याय पर हावी हो जाती हैं।

> **विपक्ष शासित राज्यों में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध और अत्याचारों का एक चिंताजनक पैटर्न सामने आ रहा है। सबसे ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि इन सरकारों द्वारा महिलाओं की पीड़ा के प्रति स्पष्ट उदासीनता, जवाबदेही की कमी और ऐसे गंभीर मुद्दों का राजनीतिकरण किया जा रहा है**

पश्चिम बंगाल: महिलाओं की सुरक्षा पर गहरा संकट

पश्चिम बंगाल में कई ऐसी दर्दनाक घटनाएं हुई हैं जो महिलाओं की सुरक्षा पर सवालिया निशान लगाती हैं। सबसे हालिया मामला, आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार और हत्या कांड (2024) है, जिसमें कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ क्रूरतापूर्वक बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। यह चौंकाने वाली घटना राज्य में महिलाओं के खिलाफ हिंसा के परेशान करने वाले पैटर्न का नवीनतम उदाहरण है।

उत्तरी दिनाजपुर (2024) में एक महिला और एक युवक को तृणमूल कांग्रेस के एक नेता ने सार्वजनिक रूप से लाठियों से पीटा, जिससे पता चलता है कि राज्य में कैसे बेखौफ होकर इस तरह के अपराधों को अंजाम दिया जा रहा है। इसी तरह, डायमंड हार्बर गैंग रेप केस (2023), जिसमें एक महिला के साथ पुरुषों के एक समूह ने सामूहिक बलात्कार किया, यह प्रदेश में महिलाओं के सामने लगातार आ रहे खतरे को उजागर करता है।

संदेशखली बलात्कार कांड (2023) ने इस भयावह सच्चाई में एक और परत जोड़ दी, जिसमें जमीन हड़पने और यौन उत्पीड़न के 900 से ज्यादा मामले सामने आए। वहीं, हंसखली बलात्कार और हत्या कांड (2022) हुआ, जिसमें 14 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया, जो पश्चिम बंगाल में नाबालिगों की सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह लगाता है। ये मामले कोई अपवाद नहीं हैं; ये एक व्यापक पैटर्न का हिस्सा हैं जिसमें बामनघाटा बलात्कार कांड (2017), गंगनापुर बलात्कार और हत्या कांड (2015), जादवपुर विश्वविद्यालय छेड़छाड़ कांड (2014), मध्यमग्राम बलात्कार कांड (2013), कामदुनी सामूहिक बलात्कार और हत्या (2013) और कुख्यात पार्क स्ट्रीट बलात्कार कांड (2012) शामिल हैं।

ये घटनाएं राज्य के सुरक्षा उपायों की प्रभावशीलता और ममता बनर्जी जैसे नेताओं की राजनीतिक बयानबाजी पर गंभीर सवाल उठाती हैं। वादों और आश्वासनों के बावजूद जमीनी हकीकत यह

बताती है कि पश्चिम बंगाल में महिलाएं अभी भी डर के साये में जी रही हैं, हिंसा और शोषण का शिकार हो रही हैं, जबकि अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं, जो न्याय की उपेक्षा की संस्कृति को बढ़ावा दे रहा हैं।

केरल: घोटालों से जूझता राज्य

केरल यौन हिंसा और दुर्व्यवहार से जुड़े मामलों से अछूता नहीं रहा है। सूर्यनेल्ली बलात्कार मामला, जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री पीजे कुरियन शामिल रहे, और सौर घोटाला मामला, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री ओमान चांडी के खिलाफ यौन शोषण के आरोप लगे, ने राज्य के नेतृत्व पर लंबे समय एक प्रश्नचिन्ह लगाये रखा। न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट ने मलयालम फिल्म उद्योग के भीतर यौन शोषण के चौंकाने वाले मामलों का खुलासा किया। यौन दुराचार के आरोप कई प्रमुख हस्तियों पर भी लगे हैं, जिनमें पीटीए अध्यक्ष, केरल क्रिकेट एसोसिएशन के कोच और एक वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल हैं।

ई. शानवास खान द्वारा एक वकील का यौन उत्पीड़न और केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर इफ्तीकर अहमद के खिलाफ छेड़छाड़ का आरोप जैसी घटनाएं इस मुद्दे की व्यापक प्रकृति को दर्शाती हैं। छात्राओं की छेड़छाड़ की गई तस्वीरों को साझा करने से लेकर सीपीआई (एम) कार्यकर्ताओं द्वारा दलित महिला पर हमला करने तक, राज्य में कई ऐसे मामले सामने आये।

केरल यौन हिंसा और दुर्व्यवहार से जुड़े मामलों से अछूता नहीं रहा है। सूर्यनेल्ली बलात्कार मामला, जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री पीजे कुरियन शामिल रहे, और सौर घोटाला मामला, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री ओमान चांडी के खिलाफ यौन शोषण के आरोप लगे, ने राज्य के नेतृत्व पर लंबे समय एक प्रश्नचिन्ह लगाये रखा। न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट ने मलयालम फिल्म उद्योग के भीतर यौन शोषण के चौंकाने वाले मामलों का खुलासा किया

तमिलनाडु: महिलाओं के खिलाफ अपराधों में चिंताजनक वृद्धि

तमिलनाडु में डीएमके के तहत 'द्रविड़ मॉडल' में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। परेशान करने वाले मामलों में एक फर्जी एनसीसी कैंप में यौन उत्पीड़न, एक 17 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार और एक दलित महिला की उसके ही परिवार द्वारा उसकी जाति में शादी करने पर जलाकर हत्या कर दी गई।

राज्य में यौन उत्पीड़न एक गंभीर मुद्दा बना हुआ है, जैसाकि 20 वर्षीय महिला की मौत से पता चलता है, जो अपने हमलावरों से भागते समय ट्रैफिक में फंस गई, इसके अलावा डीएमके कार्यकर्ता द्वारा सामूहिक बलात्कार की घटना और डीएमके के विधायक के बेटे द्वारा दलित घरेलू नौकरानी के साथ दुर्व्यवहार इसके कुछ अन्य उदाहरण हैं। राज्य में 17 वर्षीय लड़के द्वारा 10 वर्षीय लड़की का यौन उत्पीड़न और एक पादरी द्वारा 14 वर्षीय लड़की से छेड़छाड़ की घटनाएं भी हुईं, जबकि तमिल लड़कियों को दुबई भेजने वाले एक यौन तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया गया, जिससे संगठित अपराध का काला धंधा उजागर हुआ।

तेलंगाना: महिला सुरक्षा पर बढ़ता खतरा

तेलंगाना में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों में 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो एक चिंताजनक प्रवृत्ति को दर्शाता है। एक पुलिस उपनिरीक्षक द्वारा एक महिला हेड कांस्टेबल का बलात्कार और एक अंतर-राज्यीय बाल-बिक्री रैकेट के संबंध में तीन महिलाओं की गिरफ्तारी, राज्य की कमज़ोरियों को उजागर करती है। कांग्रेस पार्षद द्वारा यौन उत्पीड़न की घटना और एक स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा महिला चिकित्सा अधिकारियों को परेशान करने की घटना विचलित करती हैं।

एक ऑटो चालक और उसके साथियों द्वारा एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना इन भयावह आंकड़ों में और इजाफा करती है तथा महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक चिंताजनक तस्वीर पेश करती है।

कर्नाटक: यौन हिंसा की बढ़ती घटनाएं

कर्नाटक में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में चिंताजनक वृद्धि देखी गई है, जिसमें बलात्कार, छेड़छाड़, अपहरण, और दहेज हत्याएं शामिल हैं। ऐसे ही एक मामले में एक बाइक राइड के दौरान 21 वर्षीय कॉलेज छात्रा का यौन उत्पीड़न और पुरुषों के एक समूह द्वारा एक महिला को अवैध रूप से हिरासत में लेना और उसके साथ मारपीट करना राज्य में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को दर्शाता है।

हिमाचल प्रदेश: यौन उत्पीड़न की चिंताजनक प्रवृत्ति

हिमाचल प्रदेश जैसे अपेक्षाकृत शांत राज्य में भी यौन हिंसा एक गंभीर चिंता का विषय बन कर उभरी है। एक सरकारी स्कूल के शिक्षक पर 16 वर्षीय दलित छात्रा से छेड़छाड़ करने का मामला दर्ज किया गया, जबकि एक महिला के साथ क्रूरतापूर्वक बलात्कार किया गया, इस दौरान उसके पति को पेड़ से बांध दिया गया। मैक्लोडगंज में एक पोलिश महिला यात्री के साथ बलात्कार की घटना सामने आयी, जिसने महिला पर्यटकों की सुरक्षा पर सवाल खड़ा किया।

झारखंड: यौन हिंसा से त्रस्त राज्य

झारखंड के दुमका में अपने पति के साथ भारत की यात्रा पर आई स्पेन की एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार और एक स्कूल वैन चालक द्वारा 3 वर्षीय नर्सरी छात्रा के साथ यौन शोषण जैसी घटनाएं हुई हैं। कांग्रेस के एक विधायक, एक आईएएस अधिकारी और लड़कियों के लिए चलने वाले एक सरकारी आवासीय विद्यालय की प्रिंसिपल और गार्ड के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों ने इस चुनौती को और भी गंभीर कर दिया। रांची में एक सेना के जवान की पत्नी के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना ने राज्य के पहले से ही गंभीर रिकॉर्ड को और खरनाक बना दिया है।

विभिन्न राज्यों में हुई इन भयावह घटनाओं ने एक बहुत ही चिंताजनक मुद्दे को उजागर किया है। देश में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल विपक्ष को जवाबदेह ठहराए जाने की तत्काल आवश्यकता है। किसी भी सरकार के मूल कर्तव्य के रूप में अपने नागरिकों - विशेष रूप से महिलाओं - की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। हालांकि, विपक्ष ने राजनीतिक लाभ के लिए अपने प्रयास में इस जिम्मेदारी को बार-बार नजरअंदाज किया है।

यह उपेक्षा सिर्फ़ शासन की विफलता नहीं है, बल्कि विपक्ष द्वारा अपने नियंत्रण वाले राज्यों में कानून और व्यवस्था बनाए रखने में असमर्थता का सीधा परिणाम है। इन राज्यों में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध विपक्ष के अप्रभावी शासन की एक गंभीर तस्वीर पेश करते हैं। जैसे-जैसे ये राज्य लगातार असुरक्षित होते जा रहे हैं, विपक्ष द्वारा महत्वपूर्ण मुद्दों को ठीक से न संभालना भी देश की वैश्विक प्रतिष्ठा को धूमिल करने लगा है, जिससे उन नागरिकों का नेतृत्व करने और उनकी रक्षा करने की उनकी क्षमता के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा हो रही हैं, जिनका वे प्रतिनिधित्व करने का दावा करते हैं।

> **झारखंड के दुमका में अपने पति के साथ भारत की यात्रा पर आई स्पेन की एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार और एक स्कूल वैन चालक द्वारा 3 वर्षीय नर्सरी छात्रा के साथ यौन शोषण जैसी घटनाएं हुई हैं। कांग्रेस के एक विधायक, एक आईएएस अधिकारी और लड़कियों के लिए चलने वाले एक सरकारी आवासीय विद्यालय की प्रिंसिपल और गार्ड के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों ने इस चुनौती को और भी गंभीर कर दिया**

इस स्थिति में और भी अधिक परेशान करने वाली बात यह है कि विपक्ष इन महत्वपूर्ण मुद्दों के प्रति स्पष्ट रूप से उदासीन है। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं को संबोधित करने के बजाय, विपक्ष ने उन्हें केवल 'ध्यान भटकाने वाली बातें' बताकर खारिज कर दिया है।

लाखों महिलाओं के जीवन को सीधे प्रभावित करने वाले मुद्दों को दरकिनार करके विपक्ष न केवल शासन के एक महत्वपूर्ण पहलू की अनदेखी कर रहा है, बल्कि महिलाओं के अधिकारों और सुरक्षा के प्रति खतरनाक उदासीनता भी दिखा रहा है। यह उदासीनता किसी भी लोकतांत्रिक समाज की नींव को कमजोर करती है, जहां नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए।

महिलाओं की सुरक्षा के जरूरी मुद्दे को संबोधित करने में विपक्ष की विफलता, साथ ही विभाजनकारी राजनीति में उनकी व्यस्तता, देश के नागरिकों की भलाई के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। महिलाओं की सुरक्षा कोई राजनीतिक हथियार नहीं है जिसे सुविधानुसार इस्तेमाल किया जाए या अनदेखा किया जाए; यह एक बुनियादी जिम्मेदारी है जिसे सत्ता में बैठे लोगों को निभाना चाहिए। विपक्ष को देश की महिलाओं को स्पष्टीकरण देना चाहिए और सबसे महत्वपूर्ण बात, भविष्य में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दिखानी चाहिए।

राजनीतिक परिदृश्य और महिला मुद्दों का हाशिए पर होना

जैसे-जैसे हम राजनीतिक परिदृश्य को गहराई से देखते हैं, यह स्पष्ट हो जाता है कि विपक्ष द्वारा महिलाओं के मुद्दों को हाशिए पर रखना उनकी उपेक्षा करने वाली एक व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा है। ऐसे माहौल में जहां राजनीतिक लाभ को हर चीज से ऊपर प्राथमिकता दी जाती है, महिलाओं के बुनियादी अधिकारों और सुरक्षा को अक्सर पीछे धकेल दिया जाता है। यह सिर्फ़ नीतिगत विफलता नहीं है, बल्कि नैतिक विफलता है जो विपक्ष के शासन के दृष्टिकोण को दर्शाती है।

विपक्ष का विभाजनकारी राजनीति पर ध्यान केंद्रित करना महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन यह महिलाओं की सुरक्षा की चिंताओं को नजरअंदाज करने की कीमत पर नहीं आना चाहिए। इन महत्वपूर्ण मुद्दों से ध्यान हटाने का प्रयास अपनी कमियों से दूर भागने का एक सुनियोजित प्रयास है। हालांकि, यह रणनीति न केवल भेदभावपूर्ण है बल्कि समाज के ताने-बाने को भी बहुत नुकसान पहुंचाती है।

महिलाओं की सुरक्षा एक बहुआयामी मुद्दा है जिसके लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें कानूनी सुधार, सामाजिक परिवर्तन और प्रभावी कानून शामिल हैं। दुर्भाग्य से, विपक्ष ने इनमें से किसी भी क्षेत्र में बहुत कम पहल की है। महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए एक सार्थक कानून का प्रस्ताव या उसका समर्थन करने में उनकी विफलता, साथ ही अपने शासन वाले राज्यों में कार्रवाई की कमी, उनकी बयानबाजी और उनके कार्यों के बीच विसंगति को उजागर करती है। ■

केन्द्रीय गृह मंत्री ने 188 शरणार्थियों को नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान किए

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 18 अगस्त को अहमदाबाद में CAA के तहत 188 शरणार्थी बहनों-भाइयों को नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान किये। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्री शाह ने कहा कि CAA देश में बसे लाखों लोगों को सिर्फ नागरिकता देने का नहीं, बल्कि न्याय और अधिकार देने का कानून है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों की तुष्टीकरण की नीति के कारण 1947 से 2014 तक देश में शरण लेने वाले लोगों को अधिकार और न्याय नहीं मिला। उन्होंने कहा कि इन लोगों को न सिर्फ पड़ोसी देशों में बल्कि यहां भी प्रताड़ना सहनी पड़ी।

श्री शाह ने कहा कि ये लाखों-करोड़ों लोग तीन-तीन पीढ़ियों तक न्याय के लिए तरसते रहे, लेकिन विपक्ष की तुष्टीकरण की नीति के कारण इन्हें न्याय नहीं मिला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इन लाखों-करोड़ों लोगों को न्याय देने का काम किया है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज़ादी के समय भारत का विभाजन धर्म के आधार पर किया गया और उस समय भीषण दंगे हुए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान, अफ़ग़ानिस्तान और बांग्लादेश में रहने वाले करोड़ों हिंदू, बौद्ध, सिख, जैन और ईसाई समुदाय के लोग अपनी वेदना नहीं भूल सकते। उन्होंने कहा कि उस वक्त विभाजन का फैसला करते हुए तत्कालीन सरकार ने वादा किया था कि पड़ोसी देशों से आने वाले हिंदू, बौद्ध, सिख, जैन और ईसाई संप्रदायों के लोगों को भारत की नागरिकता दी जाएगी।

श्री शाह ने कहा कि चुनाव आते-आते तत्कालीन सरकार के नेता इन वादों से मुकरते गए और 1947, 1948 और 1950 में किए गए इन वादों को भुला दिया गया। उन्होंने कहा कि उस समय की सरकार ने इन लोगों को इसीलिए नागरिकता नहीं दी कि इससे उनका वोट बैंक नाराज़ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण की नीति के कारण इन लाखों-करोड़ों लोगों को नागरिकता से वंचित रखा गया और इससे बड़ा पाप कोई नहीं हो सकता।

श्री शाह ने कहा कि ये करोड़ों लोग भागकर और प्रताड़ना झेलकर आए कइयों ने अपना परिवार और संपत्ति सब गंवा दी, लेकिन यहां उन्हें नागरिकता तक नहीं मिली। उन्होंने कहा कि 1947 से 2019 और 2019 से 2024 तक की यात्रा को इस देश का इतिहास हमेशा याद रखेगा। ■

कमल पुष्प

सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

गोपाल राव टैगोर

जन्म: 15 अप्रैल, 1912
सक्रिय वर्ष: 1952-1979
जिला: कृष्णा, आंध्र प्रदेश

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रचारक के रूप में श्री गोपाल राव टैगोर वर्ष 1940 में महाराष्ट्र से विजयवाड़ा आए, ताकि वह देश भर में संघ का प्रचार कर सकें। गोपाल राव जी ने राज्य में आरएसएस के विस्तार के लिए कड़ी मेहनत की और इस दौरान उन्हें कई बाधाओं का सामना भी करना पड़ा। वह जनसंघ में भी शामिल हुए और इसके विस्तार के लिए काम किया। 1952-54 के दौरान उन्होंने रायलसीमा और सिरकर में व्यापक यात्राएं की, स्थानीय लोगों से मुलाकात की, नेतृत्व को उभारा और पूरे आंध्र प्रदेश के कई जिलों में जनसंघ की इकाइयों की स्थापना की। वह जीवन भर अविवाहित रहे और उन्होंने जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया। उन्होंने पार्टी में नए लोगों को लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपनी कड़ी मेहनत, सादगी और उदार स्वभाव के माध्यम से जनसंघ की मजबूत नींव रखी। ■

पिछले एक वर्ष में 7.3 करोड़ इंटरनेट ग्राहक और 7.7 करोड़ ब्रॉडबैंड ग्राहक बढ़े

- भारतीय दूरसंचार क्षेत्र ने 2023-2024 में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की
- टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 119.9 करोड़ हुई
- ब्रॉडबैंड सेवाओं में 9.15 प्रतिशत की वृद्धि हुई

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा जारी एक वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय दूरसंचार क्षेत्र ने वित्तीय वर्ष 2023-2024 के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि की। रिपोर्ट में विभिन्न सेवाओं में महत्वपूर्ण विकास प्रवृत्तियों और प्रमुख मापदंडों पर प्रकाश डाला गया है। यह रिपोर्ट सेवा प्रदाताओं द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर तैयार की गई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में समग्र टेली-घनत्व मार्च, 2023 के अंत में 84.51 प्रतिशत से बढ़कर मार्च, 2024 के अंत में 1.39 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर से 85.69 प्रतिशत हो चुका है।

रिपोर्ट की मुख्य बातें

कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं में वृद्धिः केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 20 अगस्त को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार मार्च, 2023 के अंत में इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या 88.1 करोड़ से बढ़कर मार्च 2024 के अंत में 8.30 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 95.4 करोड़ हो गई, जिससे पिछले एक वर्ष में इंटरनेट उपभोक्ता 7.3 करोड़ बढ़ गए।

ब्रॉडबैंड ग्राहकों का प्रभुत्वः ब्रॉडबैंड सेवाओं ने अपनी प्रगति जारी रखी हुई है। ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या मार्च, 2023 में 84.6 करोड़ से बढ़कर मार्च, 2024 में 92.4 करोड़ हो गई। 7.8 करोड़ ब्रॉडबैंड ग्राहकों की भारी वृद्धि के साथ 9.15 प्रतिशत की यह मजबूत वृद्धि दर हाई-स्पीड कनेक्टिविटी के महत्व को रेखांकित करती है।

डेटा खपतः वायरलेस डेटा ग्राहकों की संख्या मार्च, 2023 के अंत में 84.6 करोड़ से बढ़कर मार्च, 2024 के अंत में 7.93 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 91.3 करोड़ हो गई है। इसके अलावा, वायरलेस डेटा उपयोग की कुल मात्रा वर्ष 2022-23 के दौरान 1,60,054 पीबी से बढ़कर वर्ष 2023-24 के दौरान 21.69 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 1,94,774 पीबी हो गई।

टेलीफोन ग्राहकों में वृद्धिः भारत में टेलीफोन ग्राहकों की संख्या मार्च, 2023 के अंत में 117.2 करोड़ से बढ़कर मार्च, 2024 के अंत में 119.9 करोड़ हो गई, जिसमें वार्षिक वृद्धि 2.30 प्रतिशत दर्ज की गई। भारत में समग्र टेली-घनत्व मार्च, 2023 के अंत में 84.51 प्रतिशत से बढ़कर मार्च, 2024 के अंत में 1.39 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर से 85.69 प्रतिशत हो गया।

> मार्च, 2023 के अंत में इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या 88.1 करोड़ से बढ़कर मार्च 2024 के अंत में 8.30 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 95.4 करोड़ हो गई

प्रति ग्राहक प्रति माह उपयोग का औसत मिनट (एमओयू) वर्ष 2022-23 के दौरान 919 से बढ़कर 2023-24 में 4.73 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ 963 हो गए।

समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) भी वर्ष 2022-23 में 2,49,908 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 8.24 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ 2,70,504 करोड़ रुपये हो गया।

यह रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के लिए प्रमुख मापदंडों और विकास के रुझानों को प्रस्तुत करते हुए दूरसंचार सेवाओं पर एक व्यापक परिप्रेक्ष्य भी प्रदान करती है और विभिन्न हितधारकों, अनुसंधान एजेंसियों और विश्लेषकों के लिए एक संदर्भ दस्तावेज के रूप में काम करती है। ■

खरीफ फसल की बुआई 1031 लाख हेक्टेयर से ज़्यादा

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने 20 अगस्त तक खरीफ फसलों के अंतर्गत बुआई क्षेत्र कवरेज की प्रगति जारी की। इस रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 349.49 लाख हेक्टेयर की तुलना में इस वर्ष 369.05 लाख हेक्टेयर में चावल की खेती की गई तथा पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 113.69 लाख हेक्टेयर की तुलना में इस वर्ष 120.18 लाख हेक्टेयर में दलहन की खेती की गई है।

पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 176.39 लाख हेक्टेयर की तुलना में इस वर्ष 181.11 लाख हेक्टेयर में श्रीअन्न/मोटे अनाज की खेती की गई और पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 185.13 लाख हेक्टेयर की तुलना में इस वर्ष 186.77 लाख हेक्टेयर में तिलहन की खेती की गई है। ■

इसरो ने पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओएस-08 लांच किया

ईओएस-08 मिशन के प्राथमिक उद्देश्यों में एक माइक्रोसैटेलाइट का डिजाइन और विकास करना, माइक्रोसैटेलाइट बस के साथ सृजित पेलोड उपकरणों का निर्माण करना तथा भविष्य के परिचालन उपग्रहों के लिए आवश्यक नई प्रौद्योगिकियों को शामिल करना है

इसरो के नवीनतम पृथ्वी अवलोकन उपग्रह 'ईओएस-08' को 16 अगस्त को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी)-डी3 द्वारा लांच किया गया। ईओएस-08 मिशन के प्राथमिक उद्देश्यों में एक माइक्रोसैटेलाइट का डिजाइन और विकास करना, माइक्रोसैटेलाइट बस के साथ सृजित पेलोड उपकरणों का निर्माण करना तथा भविष्य के परिचालन उपग्रहों के लिए आवश्यक नई प्रौद्योगिकियों को शामिल करना है।

माइक्रोसैट/आईएमएस-1 बस पर निर्मित ईओएस-08 तीन पेलोड ले जाता है- इलेक्ट्रो ऑप्टिकल इन्फ्रारेड पेलोड (ईओआईआर), ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम-रिफ्लेक्टोमेट्री पेलोड (जीएनएसएस-आर) और एसआईसी यूवी डोसिमीटर। ईओआईआर पेलोड को उपग्रह-आधारित निगरानी, आपदा निगरानी, पर्यावरण निगरानी, आग का पता लगाने, ज्वालामुखी गतिविधि अवलोकन और औद्योगिक और बिजली संयंत्र आपदा निगरानी जैसे अनुप्रयोगों के लिए दिन-रात मिड-वेव आईआर (एमआईआर) और लॉन्ग-वेव आईआर (एलडब्ल्यूआईआर) बैंड में इमेज को प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

जीएनएसएस-आर पेलोड समुद्री सतह वायु विश्लेषण, मिट्टी की नमी का आकलन, हिमालयी क्षेत्र में क्रायोस्फीयर अध्ययन, बाढ़ का पता लगाने और अंतर्देशीय जल निकायों का पता लगाने जैसे अनुप्रयोगों के लिए जीएनएसएस-आर-आधारित रिमोट सेंसिंग का उपयोग करने की क्षमता प्रदर्शित करता है। इस बीच एसआईसी यूवी डोसिमीटर गगनयान मिशन में क्रू मॉड्यूल के व्यूपोर्ट पर यूवी विकिरण की निगरानी करता है और गामा विकिरण के लिए हाई डोज अलार्म सेंसर के रूप में कार्य करता है।

अंतरिक्ष यान मिशन विन्यास 37.4 डिग्री के झुकाव के साथ 475 किमी की ऊंचाई पर एक गोलाकार निम्न पृथ्वी कक्षा (एलईओ) में संचालित करने के लिए सेट किया गया है और इसका मिशन का कार्यकाल एक वर्ष का है। उपग्रह का द्रव्यमान लगभग 175.5 किलोग्राम है और यह लगभग 420 वाट की पावर का सृजन करता है। यह एसएसएलवी-डी3 लॉन्च वाहन के साथ इंटरफेस करता है। ■

प्रधानमंत्री ने एसएसएलवी-डी3 के सफल प्रक्षेपण के लिए इसरो को दी बधाई

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों को नए उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी)-डी3 के सफल प्रक्षेपण के लिए बधाई दी। श्री मोदी ने कहा कि लागत अनुरूप प्रक्षेपण यान अंतरिक्ष मिशनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और निजी उद्योग को प्रोत्साहित करेगा।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया कि एक उल्लेखनीय उपलब्धि! इस उपलब्धि के लिए हमारे वैज्ञानिकों और उद्योग को बधाई। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि भारत के पास अब एक नया प्रक्षेपण यान है। लागत अनुरूप एसएसएलवी अंतरिक्ष मिशनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और निजी उद्योग को भी प्रोत्साहित करेगा। @isro, @INSPACeIND, @NSIL_India और संपूर्ण अंतरिक्ष उद्योग को मेरी शुभकामनाएं।

बिहार के बिहटा में 1413 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से नए सिविल एन्क्लेव के विकास को मिली मंजूरी

बिहटा हवाई अड्डे पर प्रस्तावित नई एकीकृत टर्मिनल बिल्डिंग 66,000 वर्गमीटर में फैली हुई है और इसे 3000 पीक ऑवर यात्रियों (पीएचपी) को संभालने और सालाना 50 लाख यात्रियों को सेवा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने 16 अगस्त को 1413 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर बिहटा, पटना (बिहार) में एक नए सिविल एन्क्लेव के विकास के लिए भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

बुनियादी ढांचे से जुड़ी यह परियोजना पटना हवाई अड्डे की क्षमता की अनुमानित संतृप्ति की समस्या को हल करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। हालांकि, एएआई पहले से ही पटना हवाई अड्डे पर एक नए टर्मिनल भवन के निर्माण की प्रक्रिया में है, सीमित भूमि उपलब्धता के कारण आगे विस्तार बाधित है।

बिहटा हवाई अड्डे पर प्रस्तावित नई एकीकृत टर्मिनल बिल्डिंग 66,000 वर्गमीटर में फैली हुई है और इसे 3000 पीक ऑवर यात्रियों (पीएचपी) को संभालने और सालाना 50 लाख यात्रियों को सेवा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। जब भी आवश्यकता होगी, इसमें और 50 लाख यात्रियों की संख्या बढ़ाई जाएगी और कुल क्षमता प्रति वर्ष एक करोड़ यात्रियों की होगी। इस परियोजना के प्रमुख घटकों में ए-321/बी-737-800/ए-320 प्रकार के विमानों के लिए उपयुक्त 10 पार्किंग बे, साथ ही दो लिंक टैक्सीवे को समायोजित करने में सक्षम एप्रन का निर्माण शामिल है। ■

कैबिनेट ने ठाणे इंटीग्रल रिंग मेट्रो रेल परियोजना को दी मंजूरी

- 2029 तक चालू होने वाली इस परियोजना की कुल लागत 12,200 करोड़ रुपये है
- रिंग कॉरिडोर की कुल लंबाई 29 किमी (26 किमी ऊंचाई पर और 3 किमी भूमिगत) है और इसमें 22 स्टेशन शामिल हैं
- ये कॉरिडोर नौपाड़ा, वागले एस्टेट, डोंगरीपाड़ा, हीरानंदानी एस्टेट, कोलशेत, साकेत जैसे प्रमुख क्षेत्रों को जोड़ता है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 16 अगस्त को महाराष्ट्र के ठाणे इंटीग्रल रिंग मेट्रो रेल प्रोजेक्ट कॉरिडोर को मंजूरी दे दी। ये 29 किलोमीटर का कॉरिडोर 22 स्टेशनों के साथ ठाणे शहर के पश्चिमी हिस्से की परिधि के साथ-साथ चलेगा। ये नेटवर्क एक तरफ उल्हास नदी और दूसरी तरफ संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान [एसजीएनपी] से घिरा हुआ है।

ये कनेक्टिविटी परिवहन का एक स्थायी और कुशल तरीका प्रदान करेगी, जिससे शहर अपनी आर्थिक संभावनाओं को बढ़ा सकेगा और सड़कों पर यातायात की भीड़ भी कम होगी। इस परियोजना से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी लाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

इस परियोजना की अनुमानित लागत 12,200.10 करोड़ रुपये है, जिसमें भारत सरकार और महाराष्ट्र सरकार की समान हिस्सेदारी के साथ-साथ द्विपक्षीय एजेंसियों से आंशिक वित्त पोषण भी शामिल है।

नवीन वित्तपोषण विधियों के जरिए भी धन जुटाया जाएगा। जैसेकि कंपनियों को स्टेशन का नामकरण और पहुंच के अधिकार बेचना, परिसंपत्तियों का मुद्रीकरण करना और वैल्यू कैप्चर फाइनेंसिंग मार्ग अपनाना आदि।

प्रमुख व्यावसायिक केंद्रों को जोड़ने वाला ये गलियारा कर्मचारियों के एक बड़े वर्ग के लिए एक प्रभावी परिवहन विकल्प होगा। इस परियोजना के 2029 तक पूरा होने की संभावना है।

इससे भी ज़रूरी बात ये है कि ये मेट्रो लाइन तेज और किफायती परिवहन का विकल्प प्रदान करके हजारों दैनिक यात्रियों, विशेष रूप से छात्रों और रोज़ कार्यालय और कार्य क्षेत्र में आने-जाने वालों को लाभान्वित करेगी। इस परियोजना के चलते 2029, 2035 और 2045 के लिए मेट्रो कॉरिडोर पर कुल दैनिक यात्री संख्या क्रमशः 6.47 लाख, 7.61 लाख और 8.72 लाख होगी। ■

बेंगलुरू मेट्रो रेल परियोजना के चरण-3 में 44.65 किलोमीटर लंबे दो कॉरिडोर को मिली मंजूरी

चरण-3 के चालू हो जाने पर बेंगलुरु शहर में 220.20 किलोमीटर का सक्रिय मेट्रो रेल नेटवर्क होगा। परियोजना की कुल पूर्णता लागत 15,611 करोड़ रुपये है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 16 अगस्त को बेंगलुरू मेट्रो रेल परियोजना के तीसरे चरण को मंजूरी दे दी, जिसमें 31 स्टेशनों वाले और 44.65 किलोमीटर लंबे दो एलिवेटेड कॉरिडोर होंगे। कॉरिडोर-1 जेपी नगर चौथे चरण से केम्पापुरा (आउटर रिंग रोड वेस्ट के साथ-साथ) तक होगा, जिस पर 21 स्टेशन होंगे और लंबाई 32.15 किलोमीटर होगी। कॉरिडोर-2 होसाहल्ली से कडाबगेरे (मगदी रोड के साथ-साथ) तक होगा, जिस पर 9 स्टेशन होंगे और लंबाई 12.50 किलोमीटर होगी।

चरण-3 के चालू हो जाने पर बेंगलुरु शहर में 220.20 किलोमीटर का सक्रिय मेट्रो रेल नेटवर्क होगा। परियोजना की कुल पूर्णता लागत 15,611 करोड़ रुपये है। ■

कैबिनेट ने पश्चिम बंगाल के बागडोगरा हवाई अड्डे पर नए सिविल एन्क्लेव के विकास को दी मंजूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने 16 अगस्त को 1549 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी स्थित बागडोगरा हवाई अड्डे पर नए सिविल एन्क्लेव के विकास के भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

प्रस्तावित टर्मिनल भवन 70,390 वर्गमीटर क्षेत्र में निर्मित किया जाएगा और इसे सर्वाधिक व्यस्त अवधि में 3,000 यात्रियों (पीएचपी) को समायोजित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसकी वार्षिक क्षमता 10 मिलियन यात्रियों को संभालने की है। परियोजना के प्रमुख घटकों में शामिल हैं— ए-321 प्रकार के विमानों के लिए उपयुक्त 10 पार्किंग बे समायोजित करने में सक्षम एप्रन का निर्माण, दो लिंक टैक्सीवे और बहु-स्तरीय कार पार्किंग। पर्यावरणीय जिम्मेदारी पर जोर देते हुए टर्मिनल बिल्डिंग एक हरित भवन होगा, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को एकीकृत किया जाएगा और पारितंत्रीय फुटप्रिंट को कम करने के लिए प्राकृतिक प्रकाश व्यवस्था का अधिकतम संभव उपयोग किया जाएगा।

यह विकास बागडोगरा हवाई अड्डे की परिचालन दक्षता और यात्री अनुभव को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा तथा इस क्षेत्र के हवाई यात्रा हब के रूप में इसकी भूमिका को सुदृढ़ता प्रदान करेगा। ■

वित्तीय समावेशन का एक दशक – पीएम जन धन योजना

नरेन्द्र मोदी

आज प्रधानमंत्री जन धन योजना को शुरू हुए एक दशक हो गया है। मेरे लिए यह पहल सिर्फ़ एक नीति से कहीं ज़्यादा थी - यह एक ऐसे भारत के निर्माण का प्रयास था जहां हर नागरिक, चाहे उसकी आर्थिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो, औपचारिक बैंकिंग तंत्र तक पहुंच सके।

आप में से कई लोग, खास तौर पर युवा, सोच रहे होंगे- यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है? आखिरकार, इस युग में, बैंक खाता होना बहुत ही बुनियादी बात होगी और इसे सामान्य बात भी माना जाएगा। हालांकि, जब हमने 2014 में सत्ता संभाली, तो स्थिति बहुत अलग थी। आज़ादी के लगभग 65 साल हो चुके थे, लेकिन हमारे लगभग आधे परिवारों के लिए बैंकिंग तक पहुंच एक दूर का सपना था। उनकी दुनिया ऐसी थी जहां बचत घर पर रखी जाती थी, जिसके खोने और चोरी होने का खतरा रहता था। ऋण तक पहुंच अक्सर शोषक ऋणदाताओं की दया पर निर्भर थी। वित्तीय सुरक्षा की अनुपस्थिति ने बहुत से सपनों को रोक दिया।

यह समस्या और भी विडम्बनापूर्ण हो जाती है, क्योंकि साढ़े चार दशक पहले, तत्कालीन (कांग्रेस) सरकार ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया था और वह भी गरीबों के नाम पर! फिर भी, गरीबों को बैंकिंग तक पहुंच कभी नहीं मिली।

मुझे याद है कि जब जन धन योजना शुरू की गई थी, तो इसे लेकर भी काफी संशय था। कुछ लोगों ने पूछा था— क्या वाकई इतनी बड़ी संख्या में लोगों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ना संभव हो पाएगा? क्या इस प्रयास से कोई ठोस बदलाव आएगा? हां। चुनौती का पैमाना बहुत बड़ा था, लेकिन भारत के लोगों का दृढ़ संकल्प भी उतना ही बड़ा था कि वे इसे हकीकत बना सकें।

जन धन योजना की सफलता के दो पहलू हैं। एक पहलू है आंकड़े:

- आज 53 करोड़ से अधिक ऐसे लोगों के पास बैंक खाते हैं, जिन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वे बैंक में प्रवेश करेंगे।
- इन खातों में 2.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक जमा राशि है।
- 65% से अधिक खाते ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों में हैं, जिससे वित्तीय समावेशन की प्रक्रिया महानगरों से बाहर पहुंच गयी है।

- लगभग 39 लाख करोड़ रुपये का डायरेक्ट ट्रांसफर हुआ है।
- लेकिन दूसरा हिस्सा प्रभावशाली आंकड़ों से कहीं आगे जाता है।

आज 53 करोड़ से अधिक ऐसे लोगों के पास बैंक खाते हैं, जिन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वे बैंक में प्रवेश करेंगे। इन खातों में 2.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक जमा राशि है। 65% से अधिक खाते ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों में हैं, जिससे वित्तीय समावेशन की प्रक्रिया महानगरों से बाहर पहुंच गयी है

- जहां तक महिला सशक्तीकरण का सवाल है, जन धन योजना बेहद परिवर्तनकारी साबित हुई है। लगभग 30 करोड़ महिलाओं को बैंकिंग प्रणाली में लाया गया है।

इसी तरह, इस योजना के लाभ और बैंक खाते के माध्यम से मिलने वाले अन्य लाभों ने करोड़ों अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग परिवारों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। इन योजनाओं ने मध्य और नए मध्यवर्गीय परिवारों को भी लाभ पहुंचाया है। अगर जन धन योजना, मुद्रा योजना या सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाएं— जैसे प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना— न होतीं, तो इनका प्रभाव इतना बड़ा नहीं होता।

जनधन भी, JAM ट्रिनिटी - जनधन,

आधार और मोबाइल का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन गया। इस ट्रिनिटी का महत्वपूर्ण योगदान यह था कि इससे बिचौलियों और दलालों की समस्या को समाप्त किया गया, जो दशकों से सार्वजनिक लूट में फल-फूल रहे थे। यह ट्रिनिटी ही है जिसने भारत में, खास तौर पर पिछले दशक के मध्य और बाद के वर्षों में, एक शानदार डिजिटल भुगतान क्रांति सुनिश्चित की। वही तत्व जो जनधन जैसी योजना की प्रासंगिकता पर संदेह करते थे, वे फिर से हमारे जैसे देश में डिजिटल भुगतान की आवश्यकता का मज़ाक उड़ा रहे थे, लेकिन एक बार फिर उन्होंने हमारे लोगों के सामूहिक संकल्प को कम करके आंका। भारत की डिजिटल भुगतान की सफलता की कहानी दुनिया भर में प्रसिद्ध है। दुनिया में 40% से अधिक रियल टाइम डिजिटल भुगतान भारत में होते हैं!

बैंक खाते ने सरकार की लगभग सभी प्रमुख योजनाओं में आसान और डायरेक्ट ट्रांसफर सुनिश्चित किया है, चाहे वह आयुष्मान भारत हो, किसानों के लिए पीएम-किसान हो, स्ट्रीट वेंडर्स के लिए पीएम स्वनिधि हो या दूसरी अन्य योजनाएं। मुझे 2020 और 2021 के वर्ष भी याद आ रहे हैं, जब COVID-19 महामारी अपने चरम पर थी। अगर बैंकिंग समावेशन नहीं होता, तो सब्सिडी इच्छित लाभार्थियों तक नहीं पहुंच पाती।

इस योजना से लाभान्वित होने वाले लोगों की जीवन यात्रा बहुत ही मार्मिक और प्रेरणादायक है। प्रधानमंत्री जन धन योजना सम्मान, सशक्तीकरण और राष्ट्र के आर्थिक जीवन में भागीदारी के अवसर का प्रतीक है। इस योजना द्वारा रखी गई नींव मजबूत है, लेकिन हमें और भी अधिक काम करना है! हम विकसित भारत के निर्माण के लिए इस सफलता पर काम करना जारी रखेंगे।

आज, इस योजना के प्रत्येक लाभार्थी को बधाई देने और उन अनगिनत बैंकिंग कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना करने का भी अवसर है, जिन्होंने वित्तीय समावेशन को अपना मिशन बनाया और अपने साथी भारतीयों के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित किया! ■

(लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं)

'जन धन खाताधारकों में से 55.6 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं'

भारत के वित्तीय इतिहास में सर्वाधिक परिवर्तनकारी पहलों में से एक प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) ने 28 अगस्त, 2024 को अपनी 10वीं वर्षगांठ मनाई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 2014 में लॉन्च की गई यह योजना वित्तीय समावेशन के लिए वैश्विक मानक बन गई है, जो देश के सर्वाधिक दूरवर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों सहित प्रत्येक भारतीय के दरवाजे तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाती है।

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आईएएनएस न्यूज के साथ बातचीत में इस योजना की सराहना करते हुए इसे 'प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व का आदर्श' बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के पदभार संभालने के कुछ महीनों के भीतर इस क्रांतिकारी योजना को लॉन्च करने का निर्णय समावेशी विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने बल देते हुए कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान पीएमजेडीवाई की सफलता की पुष्टि हुई, जहां इस योजना ने निर्बाध प्रत्यक्ष लाभ अंतरण की सुविधा प्रदान करके लगभग 80 करोड़ परिवारों में भुखमरी रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, "वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने में पीएमजेडीवाई वास्तव में एक गेम-चेंजर रही है।" उन्होंने योजना की विशेषताओं के बारे में कहा कि इसमें शून्य बैलेंस खाता, निःशुल्क रूपे कार्ड, रूपे डेबिट कार्ड पर 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा और पात्र खाताधारकों को 10 हजार रुपये की ओवरड्राफ्ट सुविधा प्रदान की गई है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने योजना के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव पर बल देते हुए कहा, "पीएमजेडीवाई ने हर परिवार में महिलाओं को सशक्त बनाया है।" उन्होंने बताया कि जनधन खाताधारकों में से 55.6 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को इसका श्रेय देते हुए इस निर्णायक कदम के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस योजना ने पीएम-किसान किस्तों का समय पर वितरण सुनिश्चित किया तथा लीकेज और चोरी को समाप्त किया, जिससे यह भारत के इतिहास में सबसे बड़े वित्तीय सुधारों में से एक बन गया। उन्होंने कहा कि इस पहल ने परिवार के प्रत्येक व्यक्ति को औपचारिक बैंकिंग से जोड़ा है, जिससे भारत वित्तीय समावेशन के वैश्विक मानकों के बराबर आ गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि इस योजना ने आम नागरिकों की आकांक्षाओं को बढ़ावा दिया है, जिससे बैंकिंग दैनिक जीवन का एक परिचित और सुलभ हिस्सा बन गया है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, "एक समय था जब बैंक कई लोगों के लिए अपरिचित थे, आज कोई भी इससे अछूता नहीं है। पीएमजेडीवाई ने न केवल भारत में बैंकिंग को वैश्विक बनाया है, बल्कि इसने आम नागरिक की आकांक्षाओं को भी जगाया है।"

डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा, "जन धन योजना के एक दशक पूरे होने पर यह आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में भारत की यात्रा में एक मील का पत्थर है।" उन्होंने समावेशी विकास की इस गति को बनाए रखने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की और कहा कि भविष्य में इस तरह के और भी अनेक सुधार किए जाने हैं। ■

प्रधानमंत्री ने वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट 3.0 को किया संबोधित

'ग्लोबल साउथ के देश एकजुट होकर एक दूसरे की ताकत बनें'

वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट एक ऐसा मंच बना, जहां हमने विकास से संबंधित समस्याओं और प्राथमिकताओं पर खुलकर चर्चा की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17 अगस्त को वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट 3.0 को संबोधित किया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि 2022 में जब भारत ने G-20 अध्यक्षता संभाली, तो हमने संकल्प लिया था कि हम G-20 को एक नया स्वरूप देंगे।

उन्होंने कहा कि वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट एक ऐसा मंच बना, जहां हमने विकास से संबंधित समस्याओं और प्राथमिकताओं पर खुलकर चर्चा की और भारत ने ग्लोबल साउथ की आशाओं, आकांक्षाओं और प्राथमिकताओं पर आधारित G-20 एजेंडा तैयार किया। एक समावेशी और विकास-केंद्रित अप्रोच से G-20 को आगे बढ़ाया।

श्री मोदी ने कहा कि इसका सबसे बड़ा उदाहरण वह ऐतिहासिक क्षण था, जब अफ्रीकन यूनियन ने G-20 में स्थायी सदस्यता ग्रहण की।

उन्होंने कहा कि आज हम ऐसे समय में मिल रहे हैं, जब चारों ओर अनिश्चितता का माहौल है। दुनिया अभी तक कोविड के प्रभाव से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाई है। दूसरी ओर युद्ध की स्थिति ने हमारी विकास यात्रा के लिए चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

श्री मोदी ने कहा कि हम जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना तो कर ही रहे हैं और अब हेल्थ सिक्योरिटी, फूड सिक्योरिटी और एनर्जी सिक्योरिटी की चिंताएं भी हैं। आतंकवाद, अतिवाद और अलगाववाद हमारे समाजों के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं।

उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी डिवाइड और टेक्नोलॉजी से जुड़ी नई आर्थिक और सामाजिक चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। पिछले सदी में बने ग्लोबल गवर्नेंस और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस इस सदी की चुनौतियों से लड़ने में असमर्थ रहे हैं।

हम एक दूसरे के अनुभवों से सीखें

श्री मोदी ने कहा कि यह समय की मांग है कि ग्लोबल साउथ के देश एकजुट होकर, एक स्वर में, एक साथ खड़े रहकर, एक दूसरे की ताकत बनें। हम एक दूसरे के अनुभवों से सीखें। अपनी क्षमताओं को साझा करें। मिलकर अपने संकल्पों को सिद्धि तक लेकर जाएं। मिलकर दो-तिहाई मानवता को मान्यता दिलाएं और भारत ग्लोबल साउथ के सभी देशों के साथ अपने अनुभव, अपनी क्षमताएं साझा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि हम आपसी व्यापार, समावेशी विकास, सस्टेनेबल डवलपमेंट गोल्स की प्रगति, और महिलानीत विकास को बढ़ावा देना चाहते हैं। पिछले कुछ वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल और एनर्जी कनेक्टिविटी से हमारे आपसी सहयोग को बढ़ावा मिला है। मिशन लाइफ के अंतर्गत हम न केवल भारत में बल्कि पार्टनर देशों में भी रूफ टॉप सोलर और रिन्यूएबल पावर जनरेशन को प्राथमिकता दे रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि हमें खुशी है कि ग्लोबल साउथ के 12 पार्टनर्स के साथ 'इंडिया स्टैक' साझा करने संबंधी समझौते हो चुके हैं। ग्लोबल साउथ में DPI में तेजी लाने के लिए हमने सोशल इम्पैक्ट फंड बनाया है। भारत इसमें 25 मिलियन डॉलर का शुरुआती योगदान करेगा।

संकट के समय भारत एक फर्स्ट रेस्पॉन्डर

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने अफ्रीका और पैसिफिक आइलैंड देशों में अस्पताल, डायलिसिस मशीनें, जीवन-रक्षक दवाएं और जन औषधि केंद्रों के सहयोग से इस मित्रता को निभाया है। मानवीय संकट के समय भारत एक फर्स्ट रेस्पॉन्डर की तरह अपने मित्र देशों की सहायता कर रहा हैं। चाहे पापुआ न्यू गिनी में ज्वालामुखी फटने की घटना हो, या कीनिया में बाढ़ की घटना। हमने गाजा और यूक्रेन जैसे कॉन्फ्लिक्ट क्षेत्रों में भी मानवीय सहायता प्रदान की है।

श्री मोदी ने कहा कि वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट एक ऐसा प्लेटफार्म है जहां हम उन लोगों की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को आवाज़ दे रहे हैं, जिन्हें अब तक अनसुना किया गया है। मेरा मानना है कि हमारी ताकत हमारी एकता में है और इस एकता के बल पर हम एक नई दिशा की ओर बढ़ेंगे। ■

भारत और पोलैंड ने द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' में बदलने का निर्णय लिया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पोलैंड के प्रधानमंत्री श्री डॉनल्ड टस्क के निमंत्रण पर 21 से 22 अगस्त तक पोलैंड की आधिकारिक यात्रा की। यह ऐतिहासिक यात्रा ऐसे समय में हुई है जब दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

श्री मोदी ने श्री टस्क से 22 अगस्त को वारसॉ में मुलाकात की। फेडरल चांसलरी पहुंचने पर प्रधानमंत्री श्री टस्क ने प्रधानमंत्री की आगवानी की और उनका औपचारिक स्वागत किया गया।

दोनों नेताओं ने सीमित और प्रतिनिधिमंडल स्तर के प्रारूप में बातचीत की। भारत-पोलैंड संबंधों की महत्ता को देखते हुए दोनों नेताओं ने इस रिश्ते को उन्नत करके एक 'रणनीतिक साझेदारी' में बदलने का निर्णय लिया। दोनों नेताओं ने व्यापार एवं निवेश, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, रक्षा एवं सुरक्षा, सांस्कृतिक सहयोग और दोनों देशों के लोगों के बीच पारस्परिक संबंधों सहित द्विपक्षीय साझेदारी के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा की।

उल्लेखनीय है कि श्री मोदी ने 21 अगस्त को पोलैंड के वारसॉ में कोल्हापुर मेमोरियल पर पुष्पांजलि और श्रद्धांजलि अर्पित की। यह स्मारक द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान कोल्हापुर रियासत द्वारा पोलैंड के लोगों के लिए दिखाई गई उदारता को समर्पित है। कोल्हापुर के वलीवाडे में स्थापित शिविर ने युद्ध के दौरान पोलैंड के लोगों को आश्रय दिया था। इस बस्ती में महिलाओं और बच्चों सहित करीब 5,000 पोलैंड के शरणार्थी रहते थे।

श्री मोदी ने पोलैंड के वारसॉ में 21 अगस्त को डोबरी महाराजा मेमोरियल पर पुष्पांजलि एवं श्रद्धांजलि अर्पित की। वारसॉ के गुड महाराजा चौराहे पर स्थित यह स्मारक पोलैंड के लोगों और सरकार द्वारा जामसाहब ऑफ नवानगर दिग्विजयसिंहजी रणजीतसिंहजी जडेजा (गुजरात के आधुनिक जामनगर) के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता का प्रतीक है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जामसाहब ने पोलैंड के एक हजार से अधिक बच्चों को आश्रय प्रदान किया था और आज उन्हें पोलैंड में डोबरी (अच्छे) महाराजा के रूप में याद किया जाता है।

श्री मोदी ने 22 अगस्त को वारसॉ में भारतीय समुदाय द्वारा उनके सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री का भारतीय समुदाय द्वारा विशेष उत्साह और गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। ■

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति जेलेंस्की ने क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति श्री वलोडिमिर जेलेंस्की के निमंत्रण पर 23 अगस्त को यूक्रेन की यात्रा की। वर्ष 1992 में दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने के बाद से यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यूक्रेन की पहली यात्रा थी।

श्री मोदी ने कीव में श्री जेलेंस्की से मुलाकात की। मैरीन्स्की पैलेस पहुंचने पर प्रधानमंत्री का राष्ट्रपति श्री जेलेंस्की ने स्वागत किया। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा की और आपसी हित के क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। बैठक के बाद एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर सहित क्षेत्रीय अखंडता एवं देशों की संप्रभुता के सम्मान जैसे अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों को बनाए रखने में आगे सहयोग के प्रति अपनी तत्परता दोहराई। वे इस संबंध में करीबी द्विपक्षीय संवाद की जरूरत पर सहमत हुए।

दोनों नेता चार समझौतों पर हस्ताक्षर के साक्षी बने। इन समझौतों में शामिल हैं (i) कृषि एवं खाद्य उद्योग के क्षेत्र में सहयोग से संबंधित समझौता; (ii) चिकित्सा उत्पादों के विनियमन के क्षेत्र में सहयोग से संबंधित समझौता ज्ञापन; (iii) उच्च प्रभाव वाले सामुदायिक विकास से जुड़ी परियोजनाओं के कार्यान्वयन हेतु भारतीय मानवीय अनुदान सहायता से संबंधित समझौता ज्ञापन और (iv) 2024-2028 के दौरान सांस्कृतिक सहयोग हेतु कार्यक्रम।

श्री मोदी ने यूक्रेन सरकार को चार 'भीष्म (सहयोग, हित और मैत्री के लिए भारत स्वास्थ्य पहल) क्यूब्स' की सौगात दी। यूक्रेन के राष्ट्रपति श्री जेलेंस्की ने मानवीय सहायता के लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया। 'भीष्म क्यूब्स' से घायलों के शीघ्र उपचार में काफी मदद मिलेगी और इसके साथ ही अनमोल जीवन बचाने में काफी योगदान मिलेगा।

श्री मोदी ने कीव में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने सौहार्दपूर्ण समाज के निर्माण में महात्मा गांधी के शांति के संदेश की शाश्वत प्रासंगिकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी द्वारा दिखाए गए मार्ग ने वर्तमान वैश्विक चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत किया है। ■

पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाला प्रत्येक खिलाड़ी चैंपियन है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त को पेरिस ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय दल के साथ बातचीत की। नई दिल्ली में उनसे मुलाकात के दौरान श्री मोदी ने उनके खेल अनुभवों को सुना और मैदान में उनकी उपलब्धियों की सराहना की।

श्री मोदी ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाला प्रत्येक खिलाड़ी चैंपियन है। भारत सरकार खेलों को समर्थन देना जारी रखेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि खेलों में उच्च गुणवत्ता की आधारभूत सुविधाएं मिलें।

एक्स पोस्ट की एक श्रृंखला में प्रधानमंत्री ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में हमारे देश का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय दल के साथ बातचीत करना आनन्ददायक अनुभूति थी। उनके खेल अनुभव सुने और मैदान में उनकी उपलब्धियों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाला प्रत्येक खिलाड़ी चैंपियन है। भारत सरकार खेलों को समर्थन देना जारी रखेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि खेलों में उच्च गुणवत्ता की आधारभूत सुविधाएं मिलें। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : ....

पूरा पता : ....

....

.... पिन : ....

दूरभाष : .... मोबाइल : (1)......................... (2).........................

ईमेल : ....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :............................ दिनांक :........................ बैंक : ....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।

मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

नई दिल्ली में 15 अगस्त, 2024 को लाल किले पर 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 15 अगस्त, 2024 को लाल किले से 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्र को संबोधित करने के बाद आम जनता से मिलते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 15 अगस्त, 2024 को पेरिस ओलंपिक 2024 से लौटे भारतीय दल से मुलाकात करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 19 अगस्त, 2024 को बच्चों के साथ रक्षा बंधन का त्यौहार मनाते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 16 अगस्त, 2024 को 'सदैव अटल स्मारक' पर भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 15 अगस्त, 2024 को लाल किले से 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह पर राष्ट्र को संबोधित करने से पूर्व राजघाट पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली "रजिस्टर्ड"
36 पृष्ठ कवर सहित
प्रकाशन तिथि: 06 सितम्बर, 2024
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह